

# वार्षिक प्रतिवेदन 2010-11



भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी  
मण्डी-175001, हिमाचल प्रदेश, भारत



भारतीय  
प्रौद्योगिकी  
संस्थान  
मण्डी

# वार्षिक प्रतिवेदन

## 2010-11

हिन्दी संस्करण

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी  
मण्डी-175001, हिमाचल प्रदेश, भारत

## दृष्टिकोण

तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी बने रहना, ज्ञान संवर्धन तथा नवाचरण करते हुए भारत देश को एक ऐसी दिशा प्रदान करना जिसमें न्यायप्रिय, सर्वहारा एवं धारणीय समाज का समावेश हो।

## विषय सूची

निदेशक की कलम से	I-IV
शैक्षणिक कार्यक्रम	1
शैक्षणिक स्कूल	2
अभिस्नातक (बी.टैक) पाठयक्रम	4
मुख्य सुविधाएं	9
अनुसंधान सुविधाएं	11
संस्थान पुस्तकालय	12
अन्तर्राष्ट्रीय सहभागिता	14
अनुसंधान परियोजनाएं	15
अनुसंधान प्रकाशन	16
वैज्ञानिक सम्मेलनों में भाग लिया, शोध पत्र प्रस्तुत किए और आमंत्रित व्याख्यान	21
कोल्लोक्युइयम/आमंत्रित व्याख्यान	23
छात्र सुविधाएं एवं गतिविधियां	28
सांस्कृतिक गतिविधियां	39
अभिशासक परिषद	42
वित्त समिति	43
भवन एवं निर्माण कार्य समिति	44
तदर्थ सीनेट	45
शैक्षणिक अधिकारी एवं प्रशासनिक अधिकारी	47
छात्र नेतृत्व	47
शैक्षिक वर्ग	48
स्थायी कर्मचारी	50
पी.एच.डी. छात्र	51
एम.एस. छात्र	52
बी.टैक छात्र 2009 बैच	53
बी.टैक छात्र 2010 बैच	54

हिन्दी व अंग्रेजी में किसी भी संशय की स्थिति में  
अंग्रेजी संस्करण को प्रमाणिक माना जाये।

## लक्ष्य

- ◆ व्यक्तिगत एवं सामूहिक प्रयासों से समाज के लाभार्थ ज्ञान सृजन करना ।
- ◆ शिक्षा द्वारा ऐसे व्यवसायी तैयार करना जो विशेषतः हिमालय क्षेत्र के विकास एवं अतंतः राष्ट्र तथा मानवता के विकास में नवप्रवर्तन उत्पादों एवं प्रक्रियाओं के माध्यम से नेतृत्व कर सकें ।
- ◆ समाज एवं उद्योग की समस्याओं विशेषकर हिमालय क्षेत्र की संवेदनशील पर्यावरणीय प्रकृति के लिए शिक्षा के माध्यम से वैश्विक स्वीकृति के समाधान प्रस्तुत करने की भावना से युक्त दक्ष उद्यमी तैयार करना ।
- ◆ अगली पीढ़ी के अभियंताओं, वैज्ञानिकों एवं शोधकर्ताओं को प्रेरित करने में सक्षम प्राध्यापक प्रशिक्षित करना ।
- ◆ शिक्षा और शोध के उपर्युक्त लक्ष्यों के अनुसरण में अत्याधुनिक और वाणिज्यिक रूप से व्यवहार्य प्रौद्योगिकियों के विकास हेतु उद्योग के साथ सक्रिय भूमिका निभाना ।
- ◆ प्रतिभा एवं उत्कृष्टता से परिपूर्ण सम्मानजनक कार्यसंस्कृति विकसित करना ।

## निदेशक की कलम से



वर्ष 2010-11 भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी के लिए एक महत्वपूर्ण वर्ष रहा है। यह 19 अप्रैल 2010 को अभिशाषक परिषद की बैठक के आयोजन और प्रशासन की एक लघु ईकाई की स्थापना के साथ शुरू हुआ। यह पहली बैठक थी जो नव नियुक्त अध्यक्ष श्री एम० नटराजन की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी के निदेशक कार्यालय में भर्ती प्रक्रिया सुश्री चंदन शर्मा के प्रथम अनुबंध कर्मचारी के रूप में कार्यभार ग्रहण करने से प्रारम्भ हुई। संकाय और कर्मचारी वर्ग के साक्षात्कार अप्रैल से जुलाई महीने में हुए। मण्डी ज़िला के गुटकर से श्री रजत शर्मा ने संस्थान में प्रथम स्थाई कर्मचारी कनिष्ठ अभियंता (सिविल) के तौर पर 10 मई 2010 को कार्यभार ग्रहण किया। दिनांक 08 जून 2010 को डॉ० अनिरुद्ध चक्रवर्ती ने संस्थान में प्रथम संकाय के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। यह आई०आई०एस०सी० से पी०एच०डी० सहित सैद्धांतिक भौतिक रसायन विज्ञान में विशेषज्ञता प्राप्त हैं तथा इन्होंने सहायक प्राध्यापक के रूप में स्कूल ऑफ बेसिक साइंस में कार्यभार ग्रहण किया। अगस्त माह के प्रारम्भ तक अभियांत्रिकी, विज्ञान और अंग्रेजी में लगभग 25 शिक्षक हो गये। डॉ० आर०सी० साहनी सहित जिन्होंने 19 जुलाई को कुलसचिव के रूप में कार्यभार संभाला उनके साथ एक लघु परन्तु समर्पित नियमित तथा अनुबंधित कर्मचारी वर्ग शामिल किया गया।

8 अगस्त को आने वाले 2009 गुट के 98 छात्रों व 14 अगस्त को आने वाले 117 नये छात्रों के आगमन के लिए शैक्षिक व कर्मचारी वर्ग द्वारा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की के मार्गदर्शन से कड़ी मेहनत करके पारगमन परिसर का नवीनीकरण किया गया। 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के सुनहरे अवसर पर श्री एम० नटराजन ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और संस्थान में शैक्षणिक कार्यक्रम की शुरुआत की। यद्यपि बहुत से पाठ्यक्रम संस्थान के अपने शैक्षिक वर्ग द्वारा पढ़ाये गये परन्तु कई मामलों में रुड़की संस्थान के शैक्षिक वर्ग ने मण्डी में एन०के०एन० इलैक्ट्रॉनिक कक्षा के माध्यम से छात्रों की सहायता की।

हम भाग्यशाली हैं कि कुछ वरिष्ठ शैक्षिक वर्ग ने अपने अनुभव के पिटारे द्वारा युवा व उत्साही शैक्षिक वर्ग का उच्च शैक्षणिक मानकों का निर्धारण करने में मार्गदर्शन किया। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास के भौतिक विज्ञान विभाग से प्रो० पी०सी०देशमुख 9 महीनों के लिए जुलाई 2010 में आये। मण्डी के प्रो० ललित मल्होत्रा जो भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली में उप निदेशक थे, हमारे साथ जुलाई 2010 से हैं। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास के कम्प्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग के प्रो० दीपक खेमानी ने दिसम्बर 2010 को एक वर्ष के लिए कार्यभार ग्रहण किया। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर के यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग से सेवानिवृत्त हुए श्री बी०एन० बनर्जी ने मार्च 2011 को एक वर्ष के लिए कार्यभार ग्रहण किया। सभी वरिष्ठ शैक्षिक वर्ग ने अध्यापन और अनुसंधान के अतिरिक्त बहुत सारी प्रशासनिक जिम्मेदारियां भी अनथक रूप में निभाईं।

अक्टूबर माह में बी०टेक के छात्रों में अभियांत्रिकी और विज्ञान में एम०एस० और पी०एच०डी० के कार्यक्रमों के लिए 25 अनुसंधान विद्वान शामिल हुए। शैक्षिक वर्ग की अनुसंधान कार्य में सहायता के अतिरिक्त इन विद्वानों ने प्रयोगशालाओं, पुस्तकालयों तथा अनुशिक्षण कक्षों में शिक्षण सहायक के रूप में सेवा की। छात्रों ने शैक्षिक सलाहकारों के साथ बहुत सी पाठ्येतर गतिविधियां शुरू कीं। इनमें खेल, नाटक, सांस्कृतिक, रोबोटिक्स व एन०एस०एस० आदि गतिविधियां शामिल थीं। यहां की टीमों ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इन्दौर व रुड़की में होने वाली प्रतियोगिताओं में प्रसिद्धि हासिल की। दिसम्बर माह में 65 छात्रों के दल ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली में होने वाली इन्टर आई०आई०टी० खेल प्रतिस्पर्द्धाओं में भाग लिया। हिमाचल के साथ सम्बन्ध दर्शाने के लिए छात्रों ने अपने छात्रावासों का नामकरण हिमालय क्षेत्र की नदियों व तालाबों रेणुका, दशीर, सुल्वासर और ब्यास कुंड के नाम से करने का निर्णय लिया।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी ने बी०टैक० पाठ्यक्रम को एक नये रूप में परिभाषित करने के साथ शुरुआत की जिसमें ऐसे अभियंताओं को तैयार किया जा सके जो अभिनव उत्पादों के साथ-2 भारत की प्रगति में क्रियाशील संगठनों के प्रमुख बन सकें। इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए चौथे समैस्टर के छात्रों के लिए डिजाईन प्रैक्टिकम की प्रणाली शुरू की गई। इस अनूठे पाठ्यक्रम में अनुशासित छात्रों ने समाज की एक समस्या को लिया और समैस्टर के अंत तक चिंतन के साथ-2 कई आदर्श प्रस्तुत किये और सबके सामने प्रदर्शित किये। जीतने वाले दल ने सिंचाई प्रणाली में एक अच्छी ड्रिप प्रणाली तैयार की। अन्य उत्पादों में तापमान नियंत्रित तरल डोलित प्रणाली, सैल फोन चार्जर एक कपड़ा सुखाने वाली मशीन आदि हैं।



अपनी नियुक्ति के पश्चात शीघ्र ही शैक्षिक वर्ग अनुसंधान कार्य में क्रियाशील हो गए। मार्च 2011 तक कई अन्य परियोजनाओं के साथ उन्होंने 63 लाख रुपये की 4 परियोजनाओं की मंजूरी डी0एस0टी0, आर0टी0बी0आई0 व निक्सी से प्राप्त की। उन्होंने सम्मेलन की कार्रवाईयों के साथ अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक पत्रिकाओं में लगभग 30 अनुसंधान पृष्ठ और दो पुस्तकें प्रकाशित की। संश्लेषण और विशेषता प्रयोगशालाओं में क्रय के लिए लगभग 5 करोड़ रुपये और उच्च प्रदर्शन संगणना कल्सटर के क्रय के लिए लगभग 128 करोड़ रुपये के आदेश दिये गये।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी ने विश्व के ध्यानाकर्षण में विनम्र शुरुआत की है। इसके बहुत से शिक्षाविद् साक्षी हैं जिन्होंने इस संस्थान में एक सप्ताह से 4 महीने तक का समय बिताया। भौतिकी में उन्नत वैकल्पिक शिक्षण और अनुसंधान सहयोग के लिए भौतिकी संस्थान, बैलग्रैड, सर्बिया से प्रो० वी० रादोजैविक जनवरी से अप्रैल तक संस्थान में रहे। आई०टी० विश्वविद्यालय, कोपनहेगन के प्रो० यावोने डिट्रिच, ज्योरजिया राज्य विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रो० एस०टी० मैनसन और टोरंटो विश्वविद्यालय, कनाडा के प्रो० पॉल मिलग्राम ने संस्थान में 1 से 2 सप्ताह शिक्षण और अनुसंधान के लिए समय बिताया। संस्थान ने शैक्षणिक सहयोग के लिए राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, हमीरपुर, हि०प्र० और स्वीडन के एक लघु तकनीकी विश्वविद्यालय, बी०टी०एच० के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये। जर्मनी के टी०यू०९ विश्वविद्यालयों के साथ समझौता ज्ञापन की दिशा में चर्चा शुरु की गई।

क्योंकि मण्डी भीड़भाड़ वाला एक छोटा सा शहर है अतः यह आवश्यक है कि संस्थान अपने स्थाई परिसर को वर्ष 2012 तक कमांद में स्थानांतरित करे। इस दिशा में पशु पालन विभाग से 18 जनवरी 2011 को 203 एकड़ भूमि का 99 वर्ष पट्टे पर हस्तांतरण और पर्यावरण और वन मंत्रालय, भारत सरकार से दिसम्बर माह में 327 एकड़ वन भूमि की मंजूरी महत्वपूर्ण मील के पत्थर साबित हुए हैं। प्रथम चरण की रूपरेखा और मुख्य योजना के लिए वास्तुकार और रूपरेखा परामर्शदाता की चयन प्रक्रिया शुरु की गई। संस्थान ने तीन स्तरीय रणनीति पर कार्य शुरु किया। प्रथम स्तर पर वर्तमान कार्यशालाओं, प्रयोगशालाओं और निवासों के नवीनीकरण का कार्य, द्वितीय स्तर पर 2012 के मध्य तक 150 छात्रों और शैक्षिक वर्ग के लिए पहले ही संविरचित भवनों में ठहरने की व्यवस्था करना, तृतीय स्तर में प्रथम चरण में 1500 छात्रों के ठहरने के लिए अतिरिक्त भवनों का निर्माण।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी को दिनांक 01.04.2010 को तिरुनलवेली में एक अध्यक्ष, मण्डी में

निदेशक और उनके सचिव तथा 98 छात्र, जिनको भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की ने आवासित किया तथा पढ़ाया प्राप्त हुए। 31 मार्च 2011 तक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी, अपने शैक्षिक वर्ग, कर्मचारियों, शैक्षणिक तथा आवासीय इमारतों सहित पूर्णतया कार्यशीलता में रुपान्तरित हो गया तथा शोध तथा पढ़ाई में नाम कमाना शुरू कर दिया। यह रुपांतरण बहुत से लोगों के सूत्रपात, कड़ी मेहनत तथा प्रोत्साहन के परिणामस्वरूप था। माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री एवं अध्यक्ष भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान परिषद श्री कपिल सिब्बल, श्रीमती विभा दास पुरी, अवर सचिव (एम0एच0आर0डी0), श्री अशोक ठाकुर, अतिरिक्त सचिव (एच0ई0), श्री एस0के0 रे0, वित्त सलाहकार और मंत्रालय के कर्मचारी वर्ग ने भा0प्रौ0सं0 मण्डी में संस्थान के विकास को सुविधाजनक बनाने में व्यक्तिगत रुचि ली है। संस्थान की योजनाओं, प्रशासन और शिक्षण में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की ने संरक्षक होने के नाते महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। विशेष रूप से यहां पर भा0प्रौ0सं0, रुड़की के प्रो0 एस0 सक्सेना निदेशक, एवं मण्डी प्रकोष्ठ के समन्वयक, प्रो0 एस0पी0 गुप्ता, प्रो0 बी0के0 मिश्रा और प्रो0 सुब्रता रे का सहयोग ध्यान देने योग्य है। अध्यक्ष, श्री एम0 नटराजन भारत के दक्षिण छोर में होने के बावजूद भी निरंतर प्रेरणा और समर्थन के स्रोत बने हुए हैं। संस्थान के शैक्षिक वर्ग, कर्मचारी व छात्र कई असुविधाओं के बावजूद हर्षपूर्वक निरंतर परिश्रम करते हुए अपनी गतिविधियों में कर्मठतापूर्वक संलिप्त रहे। मुख्यमंत्री श्री प्रेम कुमार धूमल, मुख्य सचिव श्रीमती आशा स्वरूप / श्रीमती राजवंत संधु और कई सचिवों तथा बहुत से अन्य अधिकारियों से प्राप्त हिमाचल सरकार और इसके विभागों का सहयोग अत्यंत मूल्यवान है। विशेष रूप से श्री एस0के0 दास, सचिव (तकनीकी शिक्षा) हिमाचल प्रदेश तथा श्री विजय चन्दन, निदेशक, (तकनीकी शिक्षा) हिमाचल प्रदेश इस संस्थान को आधारभूत प्रणाली उपलब्ध करवाने तथा इसमें सुधार लाने में बहुत ही मदद्गार सिद्ध हुए हैं।

मैं उन सब का व्यक्तिगत रूप से हार्दिक कृतज्ञ हूँ जिन्होंने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी के गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इन उद्यमी प्रयासों के माध्यम से एक बीज का अंकुरण हुआ है जो आने वाले वर्षों में एक उपयोगी वृक्ष के रूप में उत्कृष्ट होने का संकेत देता है।

प्रो0 तिमोथी ए0 गोनसाल्विस  
निदेशक

## शैक्षणिक कार्यक्रम

### अभिस्नातक (बी0टैक0)

- ◆ कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग
- ◆ इलैक्ट्रीकल इंजीनियरिंग
- ◆ मकैनिकल इंजीनियरिंग

### स्नातकोत्तर (एम0एस0)

- ◆ एम0एस0 कम्प्यूटर विज्ञान
- ◆ एम0एस0 मकैनिकल
- ◆ एम0एस0 इलैक्ट्रीकल

### डाक्टरेट

- ◆ भौतिकी
- ◆ रसायन विज्ञान
- ◆ गणित
- ◆ कम्प्यूटर विज्ञान
- ◆ मकैनिकल
- ◆ इलैक्ट्रीकल

## शैक्षणिक स्कूल

सहक्रियाशीलता को प्रोत्साहित करने के लिए शैक्षिक वर्ग को व्यापक बहु-अनुशासनात्मक स्कूलों में संगठित किया गया है। विभिन्न स्कूलों के कार्यालय व प्रयोगशालाएं सह स्थित हैं। यहां तक कि कुछ संकाय शुद्ध अनुसंधान तथा उद्योगों के सहयोग से अन्य प्रायोगिक कार्य करते हैं। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मण्डी ने भारत और विदेशों में समान विचारधारा वाले संस्थानों और उद्योगों के साथ साझेदारी पर युक्तिपूर्ण ध्यान केन्द्रित किया है।

**कम्प्यूटिंग एवं इलैक्ट्रिकल इंजीनियरिंग स्कूल :** यह स्कूल उन संकायों को नजदीक लाता है जो सूचना आदान प्रदान की महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों से सम्बन्धित है। इनमें कम्प्यूटर विज्ञान, संचार, वी0एल0एस0आई0, माइक्रोइलैक्ट्रॉनिक्स व विद्युत उर्जा शामिल हैं। इस स्कूल में संकाय सूचना सिद्धांत, कम्प्यूटर सिद्धांत, संचार सिद्धांत, मात्रा यान्त्रिकी तथा विद्युत चुम्बकत्व के गहरी खोज में रुचि रखते हैं। यह सूत्रपात के माध्यम (जैसे कायम विकास सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी तथा हरित व अक्षय उर्जा प्रौद्योगिकियां) से समाज की अत्यावश्यक जरूरतों पर लागू होता है।

**इंजीनियरिंग स्कूल :** इस स्कूल में वास्तविक मशीनरी एवं कलाकृतियां जैसे कि परिवहन वाहनों, परिवहन प्रणाली, मशीनों, सामग्री, विनिर्माण, डिजाइन आदि को शामिल किया गया है। शास्त्रीय यान्त्रिकी, परमाणु भौतिकी, उष्मा जैसी कलाकृतियां अन्तर्निहित सिद्धांत हैं। यान्त्रिक, सिविल, एयरोस्पेस, धातु विज्ञान तथा सामग्री इंजीनियरिंग जैसे पारम्परिक विभागों से संकाय इस स्कूल में शामिल होंगे।

**बेसिक साइंस स्कूल:** यह स्कूल गणित, भौतिकी, रसायन शास्त्र तथा जीव-विज्ञान शामिल करता है। शैक्षिक सैद्धांतिक तथा प्रायोगिक अनुसंधान में कार्य करने की रुचि रखता है। वे अपने इंजीनियरिंग सहयोगियों के साथ मिलकर अनुसंधान एवम् विकास परियोजनाओं पर काम करते हैं।

**मानविकी और सामाजिक विज्ञान स्कूल:** इस स्कूल में आधुनिक इंजीनियर समाज की भलाई के लिए प्रौद्योगिकी को अस्तित्व में लाने, इसका सुधार करने तथा इसे व्यवहारिक बनाने के लिए मिलजुल कर कार्य करते हैं। प्रौद्योगिकी उत्पादों तथा प्रक्रियाओं के उत्थान के लिए, एक इंजीनियर के लिए भाषा, संस्कृति, समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र, प्रबंधन तथा पर्यावरण विज्ञान की सही जानकारी होना अनिवार्य है। इसलिए यह पाठशाला आई0आई0टी0 मण्डी का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इंजीनियरिंग छात्रों को प्रशिक्षित करने के साथ-2 इस स्कूल का लक्ष्य भाषा, साहित्य, सांस्कृतिक अध्ययन, मनोविज्ञान, अर्थशास्त्र, प्रबंधन, नीतिअध्ययन आदि पर विकसित अनुसंधान करना है।

### **आई.आई.टी. रुड़की में आई.आई.टी. मण्डी कक्ष**

प्रौद्योगिकी स्नातकों के प्रथम बैच के प्रवेश को सुविधाजनक बनाने हेतु आई0आई0टी0 रुड़की परिसर में आई0आई0टी0 मण्डी कक्ष अस्तित्व में लाया गया था। इन छात्रों के लिए प्रथम दो शिक्षण कार्यक्रमों में पढ़ाई की कक्षाएं आई0आई0टी0 रुड़की के शैक्षिक वर्ग द्वारा रुड़की में आयोजित की गई थीं। तत्पश्चात् शिक्षण कार्यक्रम पूर्णतया पारवहन परिसर मण्डी में आयोजित किये गये। आई0आई0टी0 मण्डी की स्थापना के प्रारम्भिक दिनों में आई0आई0टी0 रुड़की के मण्डी कक्ष द्वारा सब प्रकार की शैक्षणिक, तकनीकी तथा प्रशासनिक सहायता प्रदान की गई।

## अभिस्नातक (बी0टैक0) पाठ्यक्रम

भारत में डिजाईन इन्जीनियर तथा प्रबन्धकर्ता प्रशिक्षित करने के लिए प्रौद्योगिकी स्नातक पाठ्यक्रम का पुनर्गठन किया जा रहा है। डिजाईन प्रैक्टिकम एक पाठ्यक्रम है जो आई0आई0टी0 मण्डी के विद्यार्थियों में डिजाईन उत्पाद तथा विकास दक्षता पैदा करने के उद्देश्य से व्यवस्थित किया गया है। यह पाठ्यक्रम एक अध्ययन स्तर का है जिसमें विद्यार्थियों को नवप्रवर्तकारी उत्पाद डिजाईन व निर्मित करने के लिए कहा जाता है तथा जो हमारे समाज में वास्तविक सांसारिक समस्याओं को सम्बोधित करते हैं।

विद्युत, कम्प्यूटर साईंस तथा अभियांत्रिकी शाखाओं में प्रत्येक से छः विद्यार्थियों की अन्तः शाखा टीमों का सांयोगिक गठन किया गया है। विद्यार्थियों की प्रत्येक टीम अपनी प्रगति की रिपोर्ट चार अन्तः शाखा संकाय सदस्यों (इंजीनियरिंग, विज्ञान तथा मानविकी शाखाओं से चयनित) को प्रस्तुत करती है। प्रथम सप्ताह में विद्यार्थियों को एक नए उत्पाद के डिजाईन और विकास के सम्बन्ध में सूचित किया गया, द्वितीय सप्ताह में उन्हें लोगों से बातचीत करने तथा उनके द्वारा सामना की जा रही समस्याओं तथा उन समस्याओं के समाधान के लिए नए विचारों की सूची बनाने के लिए कहा गया। इन विचारों में से उन्हें कुछ एक का चयन करने तथा उत्पाद डिजाईन तैयार करने के लिए कहा गया। व्यवहार साध्यता, अन्य मानकों जैसे समय आदि का विस्तृत विश्लेषण करने के उपरांत एक डिजाईन को उत्पाद विकास के लिए चुना गया। इस स्तर पर उन्होंने बजट तैयार करके संकाय परामर्शदाता से अनुमोदन प्राप्त किया। विस्तृत डिजाईन के उपरांत उन्होंने नमूना तैयार करके परिणामों का विश्लेषण किया। तदुपरांत उन्होंने वह वास्तविक नमूना तैयार किया जो काम आता है। यह स्तर वास्तविक तौर पर चुनौती पूर्ण है क्योंकि कार्यों के समय पर क्रियान्वयन करने और विभिन्न उद्देश्यों के लिए लाए गये घटकों को संगत बनाने के लिए कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। अन्तिम दिन विद्यार्थियों ने अपने नमूनों को सार्वजनिक प्रदर्शित किया। दिन के समापन पर विद्यार्थियों को जो सन्तुष्टि व लाभ प्राप्त होते हैं वे असीम तथा सदा उनमें समाए रहने वाले होते हैं।

जो प्रतिकृतियां विकसित की गईं वे इस प्रकार से हैं:—

◆ **सम्पन्न सिंचाई प्रणाली**— स्वचालित सिंचाई प्रणाली जो सस्ती प्रणाली का प्रयोग कर मिट्टी में



नमी को नाप कर फसलों को सिंचित करती है। यह फसलों के बेहतर विकास हेतु पानी की सही समय पर सही मात्रा पाने में उन्हें मदद करती है।

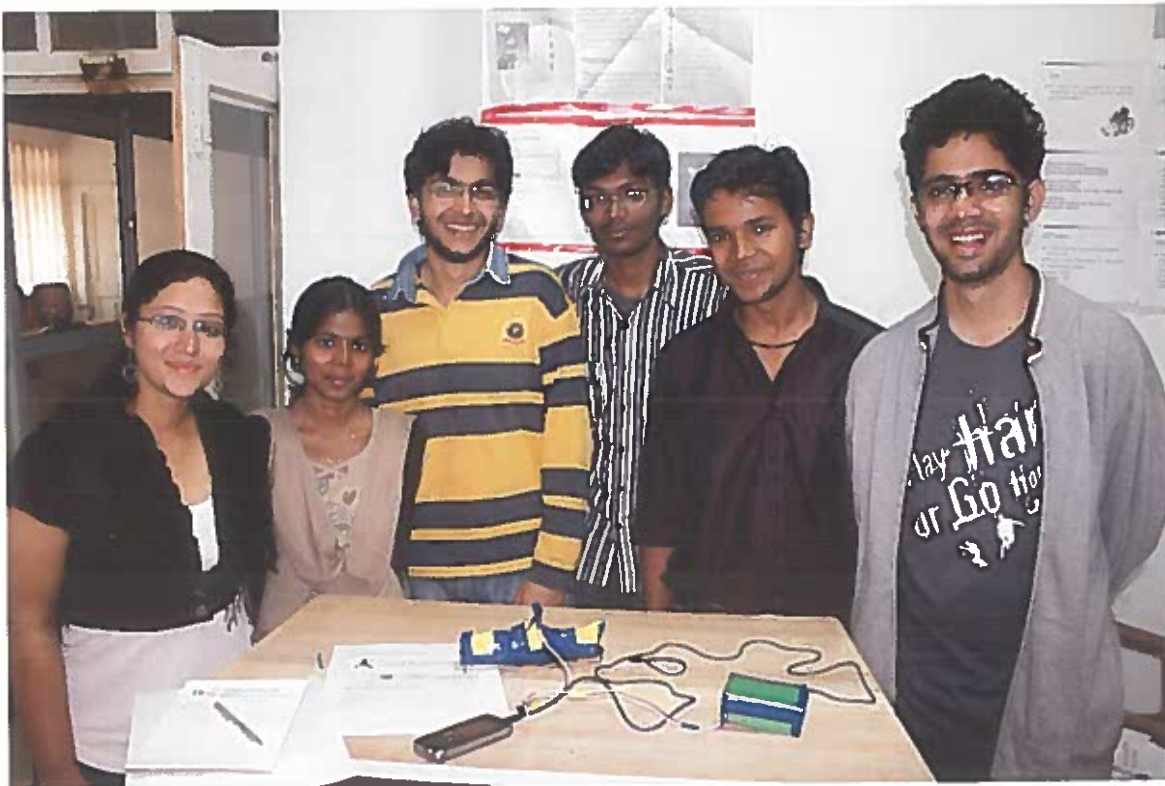
- ◆ **स्वचालित जल स्तर की मॉनिटरिंग तथा प्रबंधन :-** यह उत्पाद घरेलू ओवरहेड टैंक से चौबीस घण्टे पानी की आपूर्ति बनाए रखने में सहायता करता है। यह उपकरण उन सस्ते नमूनों को प्रयोग में लाता है जो पानी के टैंक में जल स्तर को भांपता है और जब जलस्तर निम्न स्तर से नीचे पहुंच जाता है तो यह स्वयं ही विद्युत चालित पानी के पम्प को परिचालित करने तथा इसके विपरीत इसे अपरिचालित करने का संकेत देता है। यह टैंक के पानी को बाहर निकलने से बचाने का तथा मानव प्रयास कम करने का महत्वपूर्ण उपकरण है।
- ◆ **उच्च-तकनीक जूता :-** उच्च तकनीक जूता मानव भ्रमण शक्ति द्वारा उत्पन्न उर्जा को सैल फोन अथवा लघु इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को चार्ज करने की क्षमता रखता है।
- ◆ **वस्त्र सुखाने वाला यंत्र :-** यह एक ऐसा नया उत्पाद है जो हर प्रकार की जलवायु परिस्थितियों में वस्त्रों को पूर्णतया सुखा देता है। इस यंत्र से कपड़े सुखाने के लिए लिया गया समय तार पर कपड़े सुखाने में लिए गए समय की तुलना में बहुत कम होता है। इसके अतिरिक्त यह सस्ता और कुशल भी होता है।



- ◆ **तापमान नियन्त्रित मैगनेटिक स्टर्न** : औषधि निर्माता व विक्रेता रासायनिक प्रतिक्रियाओं के उचित मिश्रण के लिए मैगनेटिक स्टर्न का प्रयोग करते हैं। कई बार उन्हें प्रतिकृत मिश्रण की एक समान तापमान पर गर्म करने की आवश्यकता होती है। प्रतिक्रिया के समय बर्तन के अन्दर तापमान बदलता रहता है। यह नया मैगनेटिक स्टर्न अभिवेचन तथा प्रतिपुष्टि नियन्त्रण संचालन का प्रयोग करता है जिसके द्वारा प्रतिक्रियात्मक पहलुओं को क्रिया के दौरान स्थिर तापमान पर रखा जाता है।
- ◆ **साफ्टवेयर बण्डल के साथ विकलांगों के लिए विशेष इनपुट व्यवस्था** :- यह सैलेब्रल पालसी / आउटिस्टिक मरोजों के लिए कम लागत का विशेष इनपुट उपकरण (ए0टी0एम0, शॉप लोकेटर तथा इन्टरनेट ब्राउसिंग के लिए ) है।
- ◆ **स्मार्ट बाइसाईकिल एक विशेष सैल फोन चार्जर के साथ** :- यह उपकरण सैल फोन चार्ज करने के लिए साईकिल के पहिए की गति का प्रयोग करता है।
- ◆ **स्वचालित प्रकाश नियंत्रक** :- यह उत्पाद स्वतः तथा पर्यावरण के अनुकूल है। यह प्राकृतिक रोशनी करेगा और बैटरी को भी चार्ज करेगा। बाद में लाईट को स्विच ऑन करने में भी प्रयोग किया जा सकता है।



- ◆ **सोल्युमिनेटर :-** सूर्य का प्रकाश सीधे ट्यूब और तन्तु प्रकाशविज्ञान के माध्यम से प्रकाश संचारण द्वारा एक अंधेरे आंतरिक कमरे में प्रयोग किया जाता है । प्राकृतिक प्रकाश, कृत्रिम प्रकाश से अधिक सुहाता है। योजना के अनुसार लाभार्थी, मध्यम वर्ग के घर, उद्योग संस्थान तथा अन्य वाणिज्यिक भवन हैं।
- ◆ **मानव शरीर से उत्पन्न भ्रमण शक्ति की ऊर्जा द्वारा सैल फोन चार्जर :-** मानव शरीर की उर्जा का प्रयोग इस उत्पाद का मुख्य उद्देश्य है जो मानव की भ्रमण शक्ति द्वारा उत्पन्न हुई ऊर्जा से सैल फोन की बैटरी चार्ज कर सकता है।
- ◆ **स्मार्ट घर :-** इस उत्पाद के नवीनतम पहलुओं में से एक अधिकतम सुरक्षात्मक "फिंगरप्रिन्ट स्कैनिंग सिस्टम" के साथ परम्परागत चाबियों को बदलना है। यह नए उपयोगकर्ताओं को जोड़ने तथा नई तकनीक के प्रयोग के लिए प्रेरित करता है।



- ◆ **पाईजोऊर्जा प्रभाव के प्रयोग से पोर्टेबल यूएसबी सेल फोन चार्जर :-** यह उत्पाद पाईजोऊर्जा के प्रभाव का उपयोग करके बिजली वोल्टेज उत्पादित करता है। इस प्रकार प्राप्त ऊर्जा का प्रयोग सेलफोन चार्ज करने में किया जा सकता है।

- ◆ **रोशनी की स्वचालित स्विचिंग:-** ज्यों ही कोई कमरे में प्रवेश करता है लाईट स्वतः ही स्विच ऑन हो जाएगी और ज्यों ही सभी निकल जाएंगे लाईट स्वतः स्विच ऑफ हो जाएगी। यह व्यवस्था स्नानागारों तथा उन स्थानों पर जहां लोग हमेशा लाईट स्विच ऑफ करना भूल जाते हैं, की जा सकती है। यह उर्जा बचाने का उपयोगी उपकरण है।
- ◆ **ध्वनि संचालित पहिया कुर्सी :-** ध्वनि संचालित पहिया कुर्सी आपकी आवाज के आदेश पर नियन्त्रित होती है। यह पहिया कुर्सी खास तौर पर उनके लिए लाभदायक है जो अपने ऊपरी अंगों के नियन्त्रण के बिना विकलांग हैं और उनके लिए भी लाभकारी है जिनके हाथ पहिया कुर्सी को नियन्त्रित करने में सक्षम नहीं हैं।
- ◆ **एस0एम0एस0 नियन्त्रण :-** यह उपकरण दूरसंचार सर्वर को अपना नियन्त्रण स्थानान्तरित करने में चैनल के तौर पर प्रयोग करता है। अवरक्त को समान्यतया उपकरणों को नियन्त्रित करने के लिए प्रयोग किया जाता है परन्तु यह लघु दूरियों के लिए ही कार्य करता है। यह उपकरण दूरी की आवश्यकता को उपकरण के नियन्त्रण के लिए काबू करता है। यह उपकरणों को आवश्यकता अनुसार खोलकर और बन्द करके तथा दूरस्थ नियन्त्रित करके उर्जा खपत को कम करने में सहायता कर सकता है।
- ◆ **वायरलैस बायोमीट्रिक पंजीकरण तथा पहचान के लिए उपकरण :-** सूचना का सही ढंग से प्रयोग करने के लिए उपस्थिति प्रणाली केन्द्रित तरीके से प्रबन्धित की जा सकती है।

## मुख्य सुविधाएं



### कम्प्यूटर सुविधाएं

आई0आई0टी0 मण्डी में नवीनतम कम्प्यूटरों के साथ एक अच्छी तरह सुसज्जित पी0सी0 प्रयोगशाला है। दो कम्प्यूटर प्रयोगशालाओं में 60 कम्प्यूटर हैं जो परिसर के लान (एल0ए0एन0) के साथ परस्पर जोड़े गये हैं। प्रशासनिक खण्ड तथा छात्रावासों सहित संपूर्ण आई0आई0टी0 परिसर वाई-फाई सक्षम है। आन्तरिक कम्प्यूटर तन्त्र पाठ्यक्रम प्रबन्धन व्यवस्था (मूडल), इनसाईट सूचना आधार (जूमलो), ऑनलाईन पुस्तकालय सूची पत्र (कोहा) तथा सभी छात्रों को ई-मेल आदि की सुविधा प्रदान करता है।

### इन्टरनेट सुविधाएं

दो विभिन्न सेवा प्रदाताओं कमशः बी0एस0एन0एल0 राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क (एन के एन) को 1 जी0बी0/एस0 संपर्क और रिलायन्स संचार लिमिटेड 45 एम बी एल एस सम्पर्क से इन्टरनेट को जोड़ा गया है।

### वास्तविक (वर्चुअल) क्लास रूम

एक इलेक्ट्रॉनिक वास्तविक क्लॉस रूम बनाया गया है जो 130 छात्रों के बैठने की क्षमता रखता है। इसे परिचालित करने के लिए 50 लाख रुपये का व्यय एन0के0एन0 इलैक्ट्रॉनिक क्लास रूम परियोजना के अन्तर्गत किया गया है जिसे एन0 आई0 सी0 एस0 आई0 दिल्ली द्वारा समर्थित किया गया था। इसके द्वारा प्राप्त



सुविधाओं का कुशलतापूर्वक प्रयोग इंटरैक्टिव कक्षाओं, बैठकों तथा सेमिनारों के लिए किया जा रहा है। कई पाठ्यक्रमों की पेशकश दूसरे आई0आई0टी0 के संकाय द्वारा की गई है।

### प्रयोगशालाएं

◆ रसायन विज्ञान प्रौद्योगिकी स्नातकों की व्यवहारिक कक्षाओं तथा पी0एच0डी0 छात्रों के अनुसंधान कार्य के लिए चार समर्पित रसायन विज्ञान प्रयोगशालाओं को स्थापित किया जा रहा है। इन प्रयोगशालाओं को सभी आवश्यक संश्लेषण और लक्षण बर्जन से सम्बन्धित



अनुसंधान गतिविधियों के लिए आवश्यक उपकरणों के साथ सुसज्जित किया जा रहा है।

- ◆ दो एनालॉग डिजिटल इलैक्ट्रॉनिक तथा तीन प्रयोगशालाएं बुनियादी इलेक्ट्रीकल इंजीनियरिंग, इलैक्ट्रॉनिक्स पावर, मापन तथा इंस्ट्रुमेंटेशन के उपकरणों के साथ स्थापित की गई है।
- ◆ डिजाइन प्रैक्टिकम पाठ्यक्रम की परियोजना के लिए एक प्रयोगशाला बनाई गई है जिसमें विद्यार्थियों के लिए कार्यस्थान, टीमों के लिए उपकरण तथा व्यक्तिगत लॉकरों की व्यवस्था की गई है और जिसमें विद्यार्थी अपनी परियोजना पर कार्य कर सकते हैं।

## अनुसंधान सुविधाएं



आई०आई०टी० मण्डी निम्नलिखित उपकरण प्रतिष्ठापित करने की प्रक्रिया में है:

**करेक्टराईजेशन प्रयोगशाला:**— एफ०टी०आई० आर स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, परमाणु अवशेषण स्पैक्ट्रोमीटर, स्पैक्ट्रोफ्ल्यूरोमीटर, एच०पी०एल०सी० प्रणाली, इलेक्ट्रोकेमिकल कार्यस्थल, चुम्बकीय संवेदनशीलता संतुलन, टी०जी०ए०, डी०एस०सी०, डी०टी०ए०, सक्रिय प्रकाश छितराव, यू०वी० दृष्टिगोचर स्पैक्ट्रोफोटोमीटर, पाउडर एक्स०आर०डी०, पोलारीमीटर, जी०सी०, समय सहसम्बन्ध एक्ल फोटोन गिनती (टी०सी०एस०पी०एस०)।

**सिंथेसिस प्रयोगशाला** :— रोटरी वाष्पीकरण, मफफल फर्नेस, फ्यूम हुड, डीप फ्रीज़र, वैक्यूम ओवन, पलेक आईस मेकिंग मशीन, डबल स्टेज जलशोधन प्रणाली, अल्ट्रासेन्ट्रीफ्यूज़, प्रोग्रामेबल स्पिन कोटर, ऑक्सीजन कन्सेन्ट्रेटर के साथ ओज़ोन जनरेटर।

**थर्मो-तरल तथा डिजाइन प्रयोगशालाएं** :— एन०आई०डेटा अधिग्रहण इकाई, फैंटम उच्चगति वीडियो कैमरा, कोरियोलिस फ्लोमीटर दबाव अंशांकन प्रणाली, तापमान अंशांकन प्रणाली। इसके अतिरिक्त हम निकट भविष्य में कुछ प्रमुख उपकरणों जैसे एनएमआर, सिंगल क्रिस्टल एक्स आरडी, एचआरटीईएम आदि प्रतिस्थापित करने की योजना बना रहे हैं।

**कम्प्यूटेशन सुविधाएं** :— 128-कोर रैंक माउन्टड क्लस्टर जियोन 2.4 गैगा हर्ट्ज़ क्वैड कोर प्रोसैसर, 8 जीबी मैमोरी प्रति नोड, गिगाबिट एर्थनैट, इन्टरकनेक्ट तथा 6 जीबी मैमोरी प्रति नोड संचयन का क्य आदेश दिया जा चुका है।

## संस्थान पुस्तकालय

संस्थान पुस्तकालय पाठ्यपुस्तकों, संदर्भ पुस्तकों, अनुसंधान मोनोग्राफों, प्रतिवेदनों, पत्रिकाओं, इलैक्ट्रानिक्स संसाधनों के अपने संग्रह को तेजी से विकसित कर रहा है। पुस्तकालय में



पाठ्यपुस्तकों का संग्रह स्नात्क शिक्षण कार्यक्रमों को महत्वपूर्ण समर्थन प्रदान करता है। पुस्तकें कम्प्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग, मकैनिकल इन्जीनियरिंग, इलैक्ट्रीकल इन्जीनियरिंग, गणित, भौतिकी, रसायन विज्ञान, अर्थशास्त्र तथा दर्शनशास्त्र से लेकर विभिन्न विशयों पर उपलब्ध है। स्नात्कोत्तर कार्यक्रमों के लिए संग्रह भी साथ-2 ही विकसित किया जा रहा है। पुस्तकालय साहित्य और अंग्रेजी भाषा पर भी एक प्रशंसनीय संग्रह विकसित कर रहा है। यह अनुभाग प्राचीन तथा समकालीन साहित्य का प्रतिनिधित्व करता है। उपयोगकर्ता यहां पर पाठ्यक्रमेतर तथा फुरसत के समय के लिए पाठनसामग्री प्राप्त कर सकते हैं जो गुणवतावान तथा रुचिपूर्ण दोनों ही हैं।

पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं को विभिन्न इलैक्ट्रानिक पत्रिका सूचनासामग्री तक पहुंच प्रदान करता है। इसमें रसायन विज्ञान, कम्प्यूटर विज्ञान, इंजीनियरिंग, गणित, भौतिकी और खगोल विज्ञान जैसे पत्रिका शीर्षक सम्मिलित हैं। इसके अतिरिक्त मानविकी और सामाजिक विज्ञान व अन्तः विषय पत्रिका शीर्षों की एक बड़ी संख्या के शीर्षकों के लिए भी ऑनलाईन पहुंच प्रदान की जाती है।

पुस्तकालय वर्तमान में उपलब्ध उधार सुविधा तथा कक्ष पढ़ाई सुविधा के अतिरिक्त उपयोगकर्ताओं को विभिन्न नई सेवाएं शुरू करने की प्रक्रिया में है। पुस्तकालय सोमवार से शुक्रवार सभी दिनों में

प्रातः 8:00 बजे से सांय 9:00 बजे तक तथा शनिवार व रविवार सुबह 9:00 बजे से सांय 6:00 बजे तक खुला रहता है। पुस्तकालय नया सॉफ्टवेयर प्रस्तुत किये जाने की प्रक्रिया में है तथा कुछ समय में पूर्ण पुस्तकालय संग्रह व सेवायें पूर्णतया स्वचालित हो जाएंगी।

मुख्य पुस्तकालय में 1021 सामान्य पुस्तकों, 292 संदर्भ पुस्तकों तथा 6096 पाठ्य पुस्तकों का अधिग्रहण किया गया है। इसमें दोबारा मुद्रित, तकनीकी प्रतिवेदनों तथा अन्य विश्वविद्यालयों / संस्थानों के वार्षिक प्रतिवेदनों के अतिरिक्त कुछ नियतकालिक पत्रिकाओं को भी सम्मिलित किया गया है।

### परिचालन

वर्तमान में पुस्तक परिचालन गतिविधियां हस्तचालित हैं परन्तु हम आगामी समैस्टर से इन्हें पूर्णतया स्वचालित करने की योजना बना रहे हैं। हम उपयोगकर्ताओं, जिनमें संकाय, अनुसंधान विद्वान, विद्यार्थी तथा कर्मचारी शामिल हैं को सेवा पहुंचाते हैं। पुस्तक परिचालन सेवा सप्ताह में 46 घण्टे खुली रखी जाती है। महीने का औसत परिचालन लेनदेन 2300 के लगभग है।



मुख्य पुस्तकालय निम्नलिखित ई-संसाधनों तक पहुंच प्रदान करता है:-

**पूर्णपाठ्य डाटाबेस :** 3000 तक पहुंच निम्नलिखित डाटाबेस से पूर्ण पाठ्य पत्रिकाएं।

ए0सी0एम0 डिजिटल पुस्तकालय, ए0सी0एस0 पत्रिकाएं, ए0एस0एम0इ0, एल्सवाइर, प्रत्यक्ष विज्ञान, आई0ई0ई0ई0 / आई0टी0 इलैक्ट्रानिक पुस्तकालय, जे0डी0टी0ओ0आर0, एस0आई0ए0एम0, सिंगर लिंक,

### ई-पुस्तकें :

मुख्य पुस्तकालय निम्नलिखित ई-पुस्तकों तक पहुंच प्रदान करता है:-

- ◆ भौतिकी तथा गणित पर आक्सफोर्ड छात्रवृत्ति आनलाईन ई-पुस्तकें।
- ◆ सिविल अभियांत्रिकी, विद्युत अभियांत्रिकी प्रबन्धन, विज्ञान, गणित पर टाटा मैग्रा ई-पुस्तकें।

## अन्तर्राष्ट्रीय सहभागिता



आई0आई0टी0 मण्डी द्वारा शैक्षिक अन्वेषण: सहयोग तथा तकनीकी शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए निम्नलिखित एम0ओ0 हस्ताक्षरित किये गए हैं:—

- ◆ बलैकिन्ज इन्स्टीच्यूट ऑफ टैक्नालाजी, कारलस्करोना, स्वीडन – संकाय व विद्यार्थियों की अदला-बदली तथा शोधकार्य में सहयोग पर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गए ।
- ◆ सूचना एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कोपनहेगन डेनमार्क— संकाय व विद्यार्थियों का शोध कार्य में सहयोग
- ◆ स्ट्टगार्ट विश्वविद्यालय एवम् टीयू 9संस्थाएं, जर्मनी – शैक्षिक वर्ग व विद्यार्थियों की अदला बदली तथा शोधकार्य में सहयोग के बारे बातचीत ।
- ◆ डबलिन शहर विश्वविद्यालय, डबलिन 9, आयरलैंड: परमाणु विषयक एवम् आण्विक भौतिकी में संयुक्त शोधकार्य
- ◆ भारत-यू0के0 विकसित प्रौद्योगिकी केन्द्र [www.in-atc.com](http://www.in-atc.com) आगामी पीढ़ी नेटवर्क शोधकार्य में सहभागिता ।



## अनुसंधान परियोजनाएं

1. भारत में ब्राडबैंड इन्टरनेट की आकलन गुणवत्ता:—भारत के राष्ट्रीय इन्टरनेट विनिमय द्वारा समर्थित: टी0ए0 गोनसाल्वेस— मुख्य अन्वेषक, अशोक झुनझुनवाला, आई0आई0टी0 मद्रास— सहायक अन्वेषक (12 लाख रुपये)
2. बंटित दस्तावेज प्रबन्धन व्यवस्था:—ग्रामीण प्रौद्योगिकी तथा व्यापार उष्माचित्र द्वारा समर्थित डिनिल एम दिवाकरण— मुख्य अन्वेषक, टी0ए0गोनसाल्वेस— सहायक अन्वेषक (6:50 लाख रुपये)
3. नॉबेल बारबिटुरेट्स के प्रति जैसे मैट्रिक्स, नैआल्लोप्रोटिनेज अन्तर्बाधाएं: डिजाईन धारणाएं, पात्र वर्णन और जैविक मूल्यांकन: विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा संरक्षित सुब्रतो घोश मुख्य अन्वेषक (21,91,982 /— रुपये)
4. चिरल धातु— जैविक रीतिय, फ़ेमवर्क विवेकशील धारणा, पात्रवर्णन तथा नॉवेल औपचारिकताएं: विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा संरक्षित — रिक रानी कोनर— मुख्य अन्वेषक (22,27,401 /— रुपये)
5. संरचनात्मक सूक्ष्मसामग्री संश्लेषण के लिए फूलवदार तरल पारदर्शी मुलायम सांचा:— विज्ञान एवम् प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा संरक्षित, प्रेम फैल्क्स सिरिल, मुख्य अन्वेषक (23,00,000 /— रुपये)
6. कैंसर कोशिकाओं को लक्षित डी0एन0ए0 प्रवृत्तित कियारूपित स्वर्ण सूक्ष्मांश: विज्ञान एवम् प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा संरक्षित:— चयन क्रान्ति नन्दी— मुख्य अन्वेषक (23,16,000 /—रुपये)
7. एन0के0एन0 इलैक्ट्रॉनिक अध्ययनकक्ष:—राष्ट्रीय सूचना केन्द्र सेवाओं द्वारा संरक्षित परियोजना समन्वयक: भरत सिंह राजपुरोहित व डिनिल एम0 दिवाकरण (11,80,000 /— रुपये)

## अनुसंधान प्रकाशन

### पुस्तकें/पुस्तकाध्यय

1. A. Chakraborty, Nano Devices, 2D Electron Solvation \& Curve Crossing Problems: Theoretical Model Investigations. Lambert Academic Publishing, Germany, 2010
2. S. Abbas, Weighted Pseudo Almost Automorphic Solutions of Neutral Functional Differential Equations. In Evolution Equations by Arthur L. Claes, Mathematics Research Developments series. Nova Science Publishers, USA, ISBN: 978-1-61209-652-0, 2011

### शोध पत्र प्रकाशित

1. J. -P. Lellouche, Z. Pomerantz, S. Ghosh. Towards hybrid carbazole / pyrrole-based carboxylated monomers: chemical synthesis, characterization, and electro-oxidation properties. Tetrahedron Letters. 52:6903-6907, 2011
2. J. -P. Lellouche, Z. Pomerantz, R. Persky, H. E. Gottlieb, S. Ghosh. Star-shaped dendritic molecules based on carboxylated carbazole and pyrrole as peripheral oxidizable units. Synth Met 161:2378-2383, 2011.
3. A. Chakraborty. Buckled nano rod: A two state system and quantum effects on its dynamics using system plus reservoir model. Mol. Phys., 109:517, 2011.
4. A. Chakraborty. Nonadiabatic tunneling in an ideal one dimensional semi-infinite periodic potential systems: An analytically solvable model. Mol Phys 109:429, 2011.
5. R. Bindu, Ganesh Adhikary, and Kalobaran Maiti. Signature of phase coexistence in electron doped Manganite. J of Physics: Conference Series 273:012140, 2011.

6. P. Pradeep, F. -Y. Li, C. Lydon, H. N. Miras, D. -L. Long, L. Xu, and L. Cronin. Design and synthesis of 'Dumb-bell' and 'Triangular' Inorganic - Organic hybrid nano-POM clusters and their characterization through ESI-MS analyses. *Chem Eur J* 17:7472 -- 7479, 2011.
7. Rajyashree Khushu-Lahiri and Shweta Rao. *Cookery or Creativity? A Study of the Culinary Fiction of Chitra Banerjee Divakaruni, Amulya Maladi and Esther David. Essays & Studies in Literary Criticism*, 2011.
8. M. F. Misdrahi, M. Wang, C. P. Pradeep, F. -Y. Li, C. Lydon, L. Xu, L. Cronin, and T. Liu. Amphiphilic properties of Dumbbell-shaped Inorganic-Organic-Inorganic molecular hybrid materials in solution and at an interface. *Langmuir* 27:9193-9202, 2011.
9. Musumeci, A. Luzio, C. P. Pradeep, H. N. Miras, M. H. Rosnes, Y. -F. Song, D. -L. Long, L. Cronin, and B. Pignataro. Programmable Surface Architectures Derived from Hybrid Polyoxometalate-Based Clusters. *J. Phys. Chem C* 115:4446-4455, 2011.
10. Suman K. Pal, Andrey S. Mereshchenko, Patrick Z. El-Khoury, and Alexander N. Tarnovsky. Femtosecond photolysis of CH<sub>2</sub>Br<sub>2</sub> in acetonitrile: capturing the bromomethyl radical and bromine-atom charge transfer complex through deep-to-near UV probing. *Chemical Physics Letter* 507:69--73, 2011.
11. Bharat Singh and S. N. Singh. Development of Grid Connection Requirements for Wind Power Generators in India, *Renewable and Sustainable Energy Reviews*. 15:1669-1674, 2011.
12. P. K. Pathak and S. Hughes. Coherent generation of time-bin entangled photon pairs using the biexciton cascade and cavity-assisted piecewise adiabatic passage. *Phys Rev B* 83:245301, 2011.
13. Shweta Rao and Rajyashree Khushu-Lahiri. *Ghastly Gravies: Food*

Images and Body in Bharati Mukherjee's *Wife and Jasmine*, Languages, 2011.

14. S. Abbas. Existence of solutions to fractional order ordinary and delay differential equations and applications. *Electron J Diff Equ* 09:1-11, 2011.
15. S. Abbas. Pseudo almost automorphic solutions of some nonlinear integro-differential equations. *Computers & Mathematics with Applications*, 62: 2259-2272, 2011.
16. I. Mishra., D. Bahuguna, and S. Abbas. Existence of almost automorphic solutions of neutral functional differential equation. *Nonlinear Dynamics & System Theory*, 11:165-172, 2011.
17. S. Abbas, M. Banerjee, and S. Momani. Dynamical analysis of a fractional order modified logistic model. *Computers & Mathematics with Applications*, 62:1098-1104, 2011.
18. S. Abbas, M. Sen, and M. Banarjee. Almost periodic solutions of non-autonomous model of phytoplankton allelopathy. *Nonlinear Dynamics*, 2011.
19. G. B. Pradhan, J. Jose, P. C. Deshmukh, L. A. LaJohn, R. H. Pratt, and S. T. Manson. Cooper minima: a window on nondipole photoionization at low energy. *J Phys B At Mol & Opt Phys* 2011 (Fast Track), (In Press).
20. J. Jose, G. B. Pradhan, V. Radojevic, S. T. Manson and P. C. Deshmukh. Electron correlation effects near the photoionization threshold: The Ar isoelectronic sequence. *J Phys B At Mol & Op Phys* 2011 (In Press).
21. Vivishek Sudhir and P. C. Deshmukh. Scattering of electrons by

- multi-walled cylindrical potentials. *J Comput Theo Nanosci* 2011 (In Press).
22. P. C. Deshmukh and Shyamala Venkataraman. Obtaining Conservation Principles from Laws of Nature -- and the other way around. *Bulletin of the Indian Association of Physics Teachers*, 3:143-148, 2011 (In Press)
  23. J. Jose, G. B. Pradhan, V. Radojevic, S. T. Manson and P. C. Deshmukh. Valence photodetachment of Li- and Na- using relativistic many-body techniques. *Phys Rev A* 83:053419, 2011(In Press).
  24. V. Rai, R. K. Upadhyay, S. N. Raw, Nitu Kumari. Some Aspects of Animal Behavior and Community Dynamics. *Computational Ecology and Software*, 3:153-182, 2011.
  25. S. Abbas. Weighted pseudo almost automorphic sequences and their applications. *Electronic Differential Equations*, 121:1-14, 2010.
  26. Fraser F. Fleming, Lihua Yao, P. C. Ravikumar, Lee Funk, and Brian C. Shook. Nitrile-Containing Pharmaceuticals: Efficacious role of the Nitrile Pharmacophore. *J Med Chem* 53:7902-7917, 2010.
  27. M. H. Rosnes, C. Musumeci, C. P. Pradeep, J. S. Mathieson, D. -L. Long, Y. -F. Song, B. Pignataro, R. Cogdell, and L. Cronin. Assembly of Modular Asymmetric Organic Inorganic Polyoxometalate Hybrids into Anisotropic Nanostructures. *J Am Chem. Soc* 132:15490-15492, 2010.
  28. S. Abbas. Pseudo almost periodic solution of stochastic functional differential equations. *International Journal of Evolution Equations*, 5 1-13, 2010.
  29. R. Bindu, Nishaina Sahadev, Ganesh Adhikary, and Kalobaran Maiti.

- Signature of Chemical Potential Shift in  $\text{La}_{0.2}\text{Sr}_{0.8}\text{MnO}_3$ . In AIP Conf. Proc. 1349, 2011.
30. Dinil Mon Divakaran, Eitan Altman and Pascale Vicat-Blanc Primet. Size-Based Flow-Scheduling Using Spike-Detection. In ASMTA 2011: Proc. of the 18th International Conference on Analytical and Stochastic Modeling Techniques and Applications, Springer Berlin / Heidelberg, 6751 :331-345, Lecture Notes in Computer Science, 2011.
  31. Prem Felix Siril and Hynd Remita. Synthesis of Nanostructures Using Swollen Liquid Crystal Soft Templates. In International Conference on Advances in Condensed and Nano Materials (ICACNM-2011), 2011.
  32. V. Rai, R. K. Upadhyay, S. N. Raw and Nitu Kumari. Some Aspects of Animal Behavior and Community Dynamics. In Computational Ecology and Software, 3:153-182, 2011.

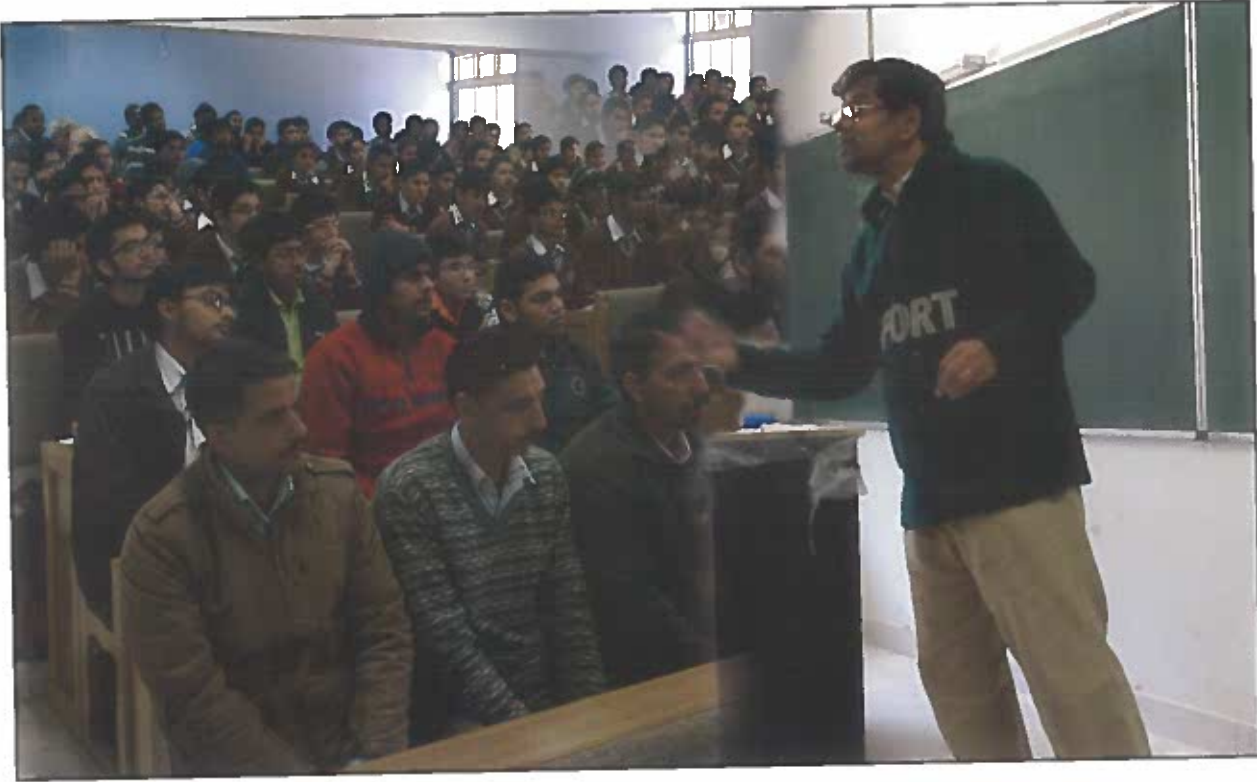
## वैज्ञानिक सम्मेलनों में भाग लिया, शोध पत्र प्रस्तुत किए और आमंत्रित व्याख्यान

1. भरत सिंह राजपुरोहित: अनिश्चितता और विश्वसनीयता: आई०आई०टी० राजस्थान संयुक्त रूप से नाभिकीय विज्ञान में अनुसंधान बोर्ड द्वारा आयोजित, परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) 16-18 दिसम्बर, 2010 पर कार्यशाला
2. भरत सिंह राजपुरोहित आभासी कक्षा का निर्माण: राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, नई दिल्ली में राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र (एनआईसी), वीडियो कान्फ्रेंसिंग प्रभाग (वीसी) द्वारा आयोजित कार्यशाला सह बैठक 14-15 फरवरी 2011
3. गगन गर्ग " क्रिप्टोग्राफी करने के लिए परिचय" हिमालय बायोरिसोर्स प्रौद्योगिकी, पालमपुर संस्थान, जनवरी 25, 2011
4. अनिल साओ " छवि और भाषण प्रसंस्करण" कार्यशाला हैदराबाद में आयोजित दिसम्बर 2010
5. राजेन्द्र लालकृष्ण रे: औद्योगिक समस्याओं पर अध्ययन समूह की बैठक, आई०आई०एस०सी० बंगलौर, 14-26 मार्च 2011 -
6. श्वेता राव " खाद्य और मीडिया में समुदाय आभासी रसोई पर 13वीं एफ०सी०टी० के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन - चंडीगढ़ 15-18 दिसंबर 2010
7. नारीवादी फिल्म आलोचना पर संस्थान संगोष्ठी: भारतीय प्रौद्योगिकी रुड़की संस्थान में, सितंबर 2010 - श्वेता राव
8. प्रशांत पी०जोस प्रौद्योगिकी कानपुर के भारतीय संस्थान में सैद्धांतिक रसायन विज्ञान संगोष्ठी पर आमंत्रित व्याख्यान दिसम्बर 2010
9. एस०के०पाठक: इन्डेस्ट- ए०आई०सी०टी०ई० और आठवें वार्षिक मिलन ई-संसाधन प्रबन्धन के विषय पर 18 फरवरी 2011 से 20 फरवरी 2011 के दौरान भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, चेन्नई के केन्द्रीय पुस्तकालय द्वारा आयोजित।

10. साहनी आर0सी0- सीबक्थोर्न – आधुनिक समय में स्वास्थ्य विकार के लिए एक रामबाण राष्ट्रीय सम्मेलन सीबक्थोर्न, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन, नई दिल्ली – 26-27 नवंबर, 2010
11. भरत सिंह राजपुरोहित – विंड पावर: प्रमुख मुद्दे और चुनौतियां, क्यूआईपी द्वारा प्रायोजित अल्पाबधि पाठ्यक्रम भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर, में : विद्युत ग्रिड समाधान के लिए समझदारी भरी व्यवस्था नवंबर 15-19, 2010
12. चयन के नंदी – थ्रोम्बिन बंधन एप्टामर में कटियन चयनित गठनात्मक प्राथमिकताएं: "एक स्थिर राज्य फोरस्टर अनुनाद ऊर्जा स्थानांतरण अध्ययन" "स्पेक्ट्रोस्कोपी और गतिशीलता और अणु कलस्टर 2011" कार्बेट नेशनल पार्क उत्तराखंड, 18-20 फरवरी, 2011.
13. सुमन कल्याण पाल:- फुलरीन प्रौद्योगिकी दिल्ली 18 फरवरी 2011 राष्ट्रीय ऊर्जा पाठ्यक्रम संस्थान के लिए केन्द्र में थोक हेटरोजन्कसन फिल्मों संयुग्मित बहुलक में चार्ज वाहक गतिशीलता " चार्ज कैरियर डायनामिक्स इनक न्यूगेटड पोलिमेर फुलरन बलक हिटरोजन्कशन फिल्मेस इन दी सैन्टर फॉर एमेरजी स्टडीज एट आई0आई0टी0 दिल्ली- 18 फरवरी 2011.
14. प्रशांत पी0जोस बेसिक साइंस सेमिनार, आई0आई0टी0 मण्डी, के स्कूल में एन इन्वैस्टिगेशन इनटू माइक्रोस्कोपिक ऑरिजिन ऑफ एनिसोट्रापिक स्कैटरिंग पैटर्न इन सेमी डाईल्यूट पोलिमेर स्ल्यूसनस अण्डर स्टैडी शियर लो" मार्च 2011



## कोल्लोक्युइयम/ आमंत्रित व्याख्यान



प्रख्यात शिक्षाविद्, विद्वान, वैज्ञानिक, उद्योग में अग्रणी तथा नीतिज्ञ विद्यार्थियों तथा संकाय के साथ अपने अनुभव बांटने तथा अपनी विशेषज्ञता के विषय पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किये गये थे।

- ◆ परमाणु भौतिकी में एक ओडिसी: प्रोफेसर पी०सी० देशमुख, आधारभूत विज्ञान पाठशाला, आई०आई०टी० मण्डी, 19 जुलाई 2010
- ◆ बड़े पैमाने पर सौर फोटो वोल्टैक व्यवस्थाएं: डा० राजन कपूर, निदेशक अमेरिका तथा भारत सूत्रपात 17 अगस्त 2010
- ◆ चलभाष मीडिया विश्वव्यापी अवसर एवम् चुनौतियां: डा० हैरनिक पाल्सन, उपाध्यक्ष व उपभोक्ता प्रयोगशाला ए०पी०ए०सी० का प्रमुख: एरिक्सन, स्वीडन, 27 अगस्त, 2010
- ◆ इंजीनियरिंग, टिकाउपन तथा निपातित सभ्यताएं: डॉ राघव महालिंगम, न्युवैटिक्स इंक का सह संस्थापक, 01 सितम्बर 2010

- ◆ कृत्रिम जैटों के साथ उष्मीय प्रबन्धन: डा० राघव महालिंगम, न्युवैटिक्स इंक का सह-संस्थापक: 02 सितम्बर 2010
- ◆ गतिशील व्यवस्थाओं में उष्मप्रवैगिकी की भूमिका:- डॉ० श्रीपद पी० माहुलिकर प्रोफेसर, एयरोस्पेस इंजीनियरिंग विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मुम्बई, 13 सितंबर, 2010
- ◆ एकल अणु ट्रांजिस्टर: डॉ० अनिरुद्ध चक्रवर्ती, सहायक प्रोफेसर, भा०प्रो०सं० मण्डी 22 सितंबर 2010.
- ◆ सिस्टोसोम स्तह पर पियुरोनेरजिक संकेतन तथा प्रतिरक्षित मोड्यूलेशन: सुश्री रीता भारद्वाज, पी०एच०डी० विद्यार्थी, टपट्स विश्वविद्यालय, एम०ए०, यू०एस०ए०: 21 सितंबर 2010.
- ◆ सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग में ओरिएंटेशन का उपयोग: परिवर्तन और विकास की क्रमिक प्रक्रिया के साथ भागीदारी डिजाइन संयोजित करके: डॉ० यिवोन्ने डिट्टरिच, एसोसिएट प्रोफेसर, आई०टी० कोपनहेगन विश्वविद्यालय, 01 अक्टूबर 2010. सूजित तरल पारदर्शी कोमल सांचे के प्रयोग से नैनोस्ट्रक्चर के संश्लेषण: डॉ० प्रेम फेलिक्स सिरिल, सहायक प्रोफेसर, आई०आई०टी० मण्डी: 06 अक्टूबर 2010
- ◆ संरक्षण- चुनौतियां व अनुसंधान निदेश: डॉ पी० के० सक्सेना, वैज्ञानिक विश्लेषण समूह, रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन, दिल्ली: 08 अक्टूबर 2010.
- ◆ डिजाइन, नवपरिवर्तन व निर्माण : प्रोफेसर एस०आर० काले, आई०आई०टी०, दिल्ली, 15 अक्टूबर 2010
- ◆ शिक्षण एवम् अनुसंधान: प्रोफेसर एस०आर०काले, आई०आई०टी०, दिल्ली, 16 अक्टूबर 2010.
- ◆ अल्ट्राकोल्ड प्रसंग के नए क्रम: प्रो० भानु प्रताप दास, भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान, बंगलौर

- ◆ जी०एल०आई०: मध्यस्तता ट्रांसकिप्शन बाल कैंसर रोधी एजेंट के तौर पर नया लघु अणु अवरोधी: डॉ० नीरज महेन्द्र, एस्सोसिएट प्रोफेसर, जे०पी० सूचना प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय सोलन, हिमाचल प्रदेश
- ◆ विश्वविद्यालय में नवपरिवर्तन: टेनेट अनुभव: प्रोफेसर टी०ए० गोनसाल्वेस, निदेशक आई०आई०टी० मण्डी, 03 नवम्बर 2010
- ◆ आकर्षक लोग मूक बातें क्यों करते हैं और ऐसी गलतियों से कैसे बचा जाए: जे०हॉपकिन्स, त्रुटि निवारण संस्थान, इंक यू०एस०ए०, 09 नवम्बर 2010
- ◆ सी०एफ०डी० इंजीनियरिंग डिजाइन के तौर पर वास्तविक तथ्य: प्रोफेसर अक्षय के० रन्चल, अध्यक्ष एवं सी०ई०ओ० विश्लेषणात्मक तथा कम्प्यूटेशन अनुसंधान, इन्क, लॉस एन्जिल्स, सी०ए०, यू०एस०ए०, 12 नवम्बर 2010
- ◆ चरम वातावरण के अन्तर्गत सैनिकों के प्रदर्शन में आशावादिता: डॉ० आर०सी०साहनी, कुलसचिव, भा०प्रौ०सं० मण्डी, 18 नवम्बर 2010
- ◆ ग्रीन का सिद्धांत तथा इसका प्लानर ग्राफ की अलगाव समस्या में व्यवहारिक उपयोग: श्री रघुनाथ तिवारी, अनुसंधान विद्वान, कम्प्यूटर विज्ञान इंजीनियरिंग विभाग, नेवरास्का – लिंकन विश्वविद्यालय यू०एस०ए०, 23 नवम्बर 2010
- ◆ कम्प्यूटर कल्पना एवं आरेखन में वस्तु पुनर्निर्माण होमोटोपी आधारित दृष्टिकोण डॉ० ओजस्वी शर्मा, पोस्टाक्टरल, फ़ैलो तकनीकी विश्वविद्यालय, डेनमार्क 27 नवम्बर 2010
- ◆ एक असामान्य शब्दावली वाणी पहचान प्रणाली का डिजाइन तथा विकास: डॉ० विवेक त्यागी, अनुसंधान वैज्ञानिक, आई०बी०एम० अनुसंधान केन्द्र, बंगलौर, 27 नवम्बर 2010

- ◆ विषमरूप उत्प्रेरण में चयनात्मक नियंत्रण :- धातु ऑक्साईड उत्प्रेरक की भूमिका की स्थानीय संरचना, डॉ० एन०आर० शिजु, सहायक प्रोफेसर, एमैस्टरडम विश्वविद्यालय, नीदरलैंड, 07. जनवरी.2011
- ◆ अर्ध-द्रुव बहुलक समाधानों में एनिसोट्रापिक बिखराव तरीके: प्रशांत पी०जोस, सहायक प्रोफेसर, आई०आई०टी० मण्डी, सामग्री विज्ञान का राष्ट्रीय संस्थान, स्युकुबा, जापान, जनवरी 2012
- ◆ नारीवाद- धारणा एवं अभ्यास: डॉ० श्वेता राओ, सहायक प्रोफेसर आई०आई०टी० मण्डी, 19 जनवरी 2011
- ◆ संविन्यास में बहुसंख्यक एयरफॉइल की अस्थिर वायुगतिशीलताएं: डा० रिन्कु मुखर्जी, सहायक प्रोफेसर, आई०आई०टी० मद्रास, 24. जनवरी 2011
- ◆ प्रक्रिया एवं सहायक संरचित सामग्री के सहकालिक नमूना आधारित डिजाईन: डॉ विपाशा सोनी, सहायक प्रोफेसर, भा०प्रौ०सं० मण्डी, 29 जनवरी 2011
- ◆ अस्थिभंग यांत्रिकी में जालीरहित तरीके: डॉ० इन्द्रा वीर सिंह, सहायक प्रोफेसर, आई०आई०टी० रुड़की, 29 जनवरी 2011
- ◆ प्रतीकगणित संतुष्टि: प्रोफेसर पाण्डु रंगन, चन्द्रासेकरन, कम्प्यूटर विज्ञान व इंजीनियरिंग, भा०प्रौ०सं०, मद्रास, 04 फरवरी 2011
- ◆ रहस्यात्मकता से संतुष्टि: आंसुओं के बिना रहस्यवाद: प्रोफेसर पाण्डु रंगन, चन्द्रासेकरन, कम्प्यूटर विज्ञान व इंजीनियरिंग, भा०प्रौ०सं० मद्रास, 05 फरवरी 2011
- ◆ ग्रामीण भारत में स्वास्थ्य व कृषि के लिए आई०सी०टी०: सुश्री सुमा प्रशांथ, ग्रामीण प्रौद्योगिकी तथा व्यापार उठमायित्र (आर०टी०बी०आई०) भा०प्रौ०सं० मद्रास, 28 फरवरी 2011

- ◆ परमाणु भौतिकी, 2011 में क्या घट रहा है: सहज उतराव प्रवाहत के अन्तर्गत अर्धद्रव बहुलक मिश्रण में प्रोफेसर स्टीवन टी० मैन्सन, रिजैन्ट प्रोफेसर, जर्जिया विश्वविद्यालय अटलांटा, जर्जिया यू०एस०ए०, 11 मार्च 2011
- ◆ सहज उतराव प्रवाहत के अन्तर्गत अर्धद्रव बहुलक मिश्रण में एनिसोट्रोपिक प्रवाहित तरीकों का सूक्ष्मदर्शी स्रोत में अन्वेषण, डॉ प्रशांत जोस, सहायक प्रोफेसर, भा०प्रौ०सं० मण्डी, 16 मार्च 2011
- ◆ मण्डी क्षेत्र के कुछ प्राकृतिक फल एवं खाद्य पौधे: डा० सी० परमार, मालिक और प्रमुख बागवान, बागवानी विक्रय व सेंवायें, परामर्शी एवं निर्यात कम्पनी, जो तकनीकी ज्ञान व कम जानकारी वाले भारतीय पौधों की पौध सामग्री के व्यापार में व्यस्त हैं। 30 मार्च, 2011

## छात्र सुविधाएं एवं गतिविधियां

### छात्रावास:

विद्यार्थियों को निम्न चार छात्रावास उपलब्ध कराए गये हैं:-

- ◆ शैक्षिक खण्ड के समीप सुवाल्सर- प्रथम वर्ष छात्र.
- ◆ दशिर, जेल रोड- द्वितीय वर्ष छात्र
- ◆ रेणुका हॉल एनेक्सी- छात्राएं
- ◆ व्यास कुंड हॉल एनेक्सी- एम0एस0 / पी0एच0डी0 छात्र

छात्रावासों में टेलिविजन, पढ़न कक्ष, धुलाई मशीन, बैडमिंटन कोर्ट, तथा वाई0फाई0 की सुविधा है। अन्तः छात्रावास प्रतियोगिताएं आयोजित की गई थीं। दशिर छात्रावास के विद्यार्थियों को प्रतिदिन दशिर छात्रावास से शैक्षिक खण्ड में पहुंचने व वापसी के लिए बस परिवहन की सुविधा प्रदान की गई है। प्रत्येक छात्रावास के विद्यार्थियों द्वारा छात्रावास दिवस मनाया गया।

### वित्तीय सहायता एवम् छात्रवृत्ति

संस्थान द्वारा जरूरतमंद तथा सुपात्र विद्यार्थियों को संस्थान में उनके प्रवास के दौरान छात्रवृत्ति के रूप में वित्तीय सहायता प्रदान करने के सभी संभव प्रयास किये गये हैं। संस्थान विद्यार्थियों को निम्नलिखित योजनाओं के माध्यम से वित्तीय सहायता प्रदान कर रहा है:-

- ◆ गुणात्मक एवम् साधन छात्रवृत्ति।
- ◆ पी0एच0डी0 तथा एम0एस0 विद्वानों के लिए एच0टी0आर0ए0 छात्रवृत्ति।
- ◆ अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए छात्रवृत्ति।
- ◆ अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए केन्द्रीय क्षेत्र छात्रवृत्ति।

वर्ष 2010-11 के दौरान प्रौद्योगिकी स्नातकी के 70 विद्यार्थियों को विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत 33,76,250/- रुपये की छात्रवृत्ति प्राप्त करवाई गई। इनमें सामान्य, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्र सम्मिलित थे। इसके अतिरिक्त अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति के छात्र 25,00,000/- रुपये के पढ़ाई- शुल्क की छूट के कारण लाभान्वित हुए।

एम0एस0 तथा पी0एच0डी0 के विद्यार्थियों को भी छात्रवृत्ति की सुविधा दी जाती है। इस समयावधि में छः एम0एस0 के विद्यार्थियों को 1,64,000/- रुपये की तथा 16 पी0एच0डी0 के छात्रों को 8,96,000/- रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

### नुक्कड़ पुस्तकालय

विद्यार्थियों में अच्छी पाठन आदतों को सुविधाजनक बनाने के लिए डॉ० प्रिससिला गोनसाल्वेस द्वारा भा०प्रौ०सं०, मण्डी में मनोरंजन पुस्तकालय "नुक्कड़ पुस्तकालय" का सूत्रपात किया गया है। इस पुस्तकालय में विविध प्रकार के विषयों पर पुस्तकें संग्रहित हैं। यह स्वयं सेवकों जिनमें विद्यार्थी, शैक्षिक वर्ग, कर्मचारी तथा उनके परिवार के सदस्य शामिल हैं द्वारा चलाया जाता है।



### छात्र सोसायटियाँ

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी में छात्रों को उनके सम्पूर्ण विकास के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इसके लिए विविध प्रभावशाली पाठ्यक्रमेतर अवसर उपलब्ध हैं। विद्यार्थी गतिविधियों के मुख्य अनुभाग इस प्रकार हैं:-

- ◆ वैब डिज़ाइन अनुभाग
- ◆ कोरियोग्राफी अनुभाग
- ◆ पत्रिका
- ◆ कार्यक्रम प्रबन्धन
- ◆ संगीत अनुभाग
- ◆ नाटक अनुभाग
- ◆ सूचना प्रबन्धन समूह
- ◆ खेलें / एन०एस०ओ०
- ◆ एन०एस०एस०
- ◆ अंग्रेजी वाद-विवाद और साहित्य सभा
- ◆ रोबोटिक अनुभाग
- ◆ पर्वतारोहण तथा ट्रेकिंग

### वैब डिज़ाइन अनुभाग

डब्ल्यू०डी०टी०, समर्पित छात्रों की एक ऐसी टीम है जिन्होंने संस्थान का वैबसाइट विकसित किया

है। डब्ल्यू0डी0टी0 के सदस्य उन छात्रों के लिए कार्यशालाएं और वक्तव्यों का आयोजन करते हैं जो वैब डिजाइनिंग में रुचि रखते हैं।

### कोरियोग्राफी अनुभाग

बहुत ही उत्साही और कुशल सदस्यों द्वारा आबादित इस अनुभाग ने सभी सांस्कृतिक गतिविधियों में अपने प्रदर्शन से झकझोर कर रख दिया। अनुभाग भारतीय तथा पश्चिमी दोनों देशों के नृत्य के रूपों में विशेषज्ञता तथा आपसी विकास प्राप्त करने में सफल रहा है। दर्शकों द्वारा भा0प्रौ0सं0 रुढ़की में आयोजित प्रथम सांस्कृतिक आयोजन " नैसेन्स" की बहुत ही सराहना की गई थी। यहां तक कि मण्डी में गणतंत्र दिवस, स्थापना दिवस तथा भवन दिवस आदि पर इसके चित्राकर्षक प्रदर्शन ने और भी प्रसिद्धि पाई। "एग्ज्यूबरैन्स" फैशनेवल कुचिपुडि, पैर थुपकी, भांगड़ा, आकर्षक दबंग तथा जब्बावोकीज के हिप हॉप के साथ, अनुभाग का नवीनतम आकर्षण था।

### उल्लासपन (एग्ज्यूबरैन्स)

दिनांक 20.01.2011 तथा 21.01.2011 को नाटक, कोरियोग्राफी तथा संगीत अनुभाग द्वारा " उल्लासपन" (एग्ज्यूबरैन्स) का आयोजन किया गया।

### पत्रिका अनुभाग

पत्रिका अनुभाग, बाहरी संसार को सूचना पहुंचाने (तकनीकी तथा साहित्यिक दोनों) तथा विद्यार्थियों को स्वतंत्रतापूर्वक अपने विचार व्यक्त करने तथा रचनात्मकता का प्रदर्शन करने का शक्तिशाली स्रोत बन गया है। हमारी पत्रिका का पहला अंक " वरसान्त" नाम के अन्तर्गत आया है। पत्रिका समूह विभिन्न अनुभागों के अंतर्गत कार्य करता है।

- ◆ संपादकीय: इस अनुभाग का कार्य लिखना, चयन करना और कभी-2 दोबारा संपादित करना है। यह अनुभाग उन छात्रों के लिए अच्छा मंच है जिनकी रुचि लिखने और संपादन में है।
- ◆ वित्त: पत्रिका समूह को चलाने के लिए धन जुटाने का कार्य इस अनुभाग का है। इस समूह के सदस्यों को भिन्न 2 प्रकार के लोगों से बातचीत करने तथा वास्तविक संसार में समस्याओं का निपटान सीखने का अच्छा अवसर मिलता है।
- ◆ डिजाइन: डिजाइन अनुभाग समर्पित छात्रों का एक समूह है जो कड़ी मेहनत से पत्रिका को अन्य दृष्टिकोण दे सके। वर्तमान समय में, जब अधिकतम डिजाइनिंग सॉफ्टवेयर के प्रयोग से की जाती है तब भा0प्रौ0सं0 मण्डी के डिजाइनिंग अनुभाग ने अपनी भित्ती पत्रिका का प्रक्षेपण किया है जो हस्त चित्रण की सुन्दरता को प्रकाशित करती है।



पत्रिका अनुभाग का उद्देश्य साहित्य की सुन्दरता तथा डिजाइन की गहराई तक खोज करना है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मण्डी ने दिनांक 03.01.2011 को अपनी प्रथम "दी वाल" पत्रिका का अनावरण किया।

### कार्यक्रम प्रबन्धन अनुभाग

यह अनुभाग ध्यानपूर्वक चयनित तथा तराशे गए छात्रों का लघु समूह है जिनमें संस्थान को बनाए रखने तथा इसकी सांस्कृतिक सोसाईटी को चलाए रखने की असीम समझदारी तथा सराहनीय प्रतिभा है। छोटे से छोटे कार्यों (जैसे किसी कार्यक्रम को प्रकाशित करवाना) से लेकर बहुत जटिल कार्यों तक (जैसे पृष्ठपट बनाना, बड़े पैमाने पर आयोजन) को यह अनुभाग बहुत ही सतर्कता से करता है।

### संगीत अनुभाग

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी के संगीत अनुभाग का गठन संगीत की विभिन्न शैलियों को प्रोत्साहित करने, अभ्यास करने तथा प्रदर्शन करने के उद्देश्य से किया गया था। अत्याधिक प्रतिभाशाली सदस्यों द्वारा परिचालित तथा विशेष संगीत वाद्ययंत्रों



से सुसज्जित, यह अनुभाग सभी सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सफलता की कहानियां लिपिबद्ध कर रहा है। परिचालन के प्रथम वर्ष में ही अनुभाग ने स्वरांजलि, पहला नशा, तरंग तथा नैस्सैन्स जैसे भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुढ़की में आयोजित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सक्रिय भाग लिया। वाद्ययंत्रों तथा स्वरीय प्रदर्शनों से प्रतिध्वनित, मण्डी में हमारे प्रथम प्रदर्शन में अनुभाग ने दर्शकों को एग्ज्यूब्रेंस में रोमांचित किया। अनुभाग ने पैन आई0आई0टी0कन्क्लेव, नोयडा, मण्डी के शिवरात्रि त्यौहार तथा अन्य अन्तः आई0आई0टी0 प्रतियोगिताओं में भा0प्रौ0सं0 मण्डी का प्रतिनिधित्व किया। हमारे संगीत अनुभाग ने 29-30 अक्टूबर 2010 को पैन आई0आई0टी0 के आयोजन में तृतीय पुरस्कार जीता।

## नाटक अनुभाग

इस अनुभाग के बीज तब बोये गये जब संस्थान के भा0प्रौ0सं0 रुड़की में प्रथम वर्ष में कुछ छात्रों द्वारा प्रदर्शित एक व्यंग्यनाटक ने लोकप्रियता पाई। कुछ ही समय में वह सांस्कृतिक कौंसिल में एक बहुत ही सक्रिय समूह बन गया।



छोटे-2 व्यंग्य नाटकों से प्रारम्भ करके यह समूह अब उस बिन्दू तक समझदार हो गया है जहां इसके सदस्य निरंतर रूप से हिन्दी और अंग्रेजी दोनों में हास्यक परंतु समझदारीपूर्ण प्रस्तुतियां पेश करते हैं। स्वतंत्रता दिवस तथा स्थापना दिवस आदि पर सर्वसम्मत मूल्यांकन तथा प्रेरणा प्राप्ति ने सदस्यों को नए विचारों की दिशा में कार्य करने के लिए प्रेरित किया। भा0प्रौ0सं0, रोपड़ के सांस्कृतिक उत्सव में प्रथम जीत उनके कौशल की साक्षी बनी। एक हास्यजनक स्वयं सम्पादित " इन स्पलिट्स" नाटक जो उनके द्वारा एग्ज्यूवरैन्स के समय प्रस्तुत किया गया वह एक बहुत बड़ी सफलता थी। शैक्सपियर का नाटक " मिडसमर नाइट्स ड्रीम" 19 अक्टूबर 2010 को पाठ्यक्रम "इन्ट्रोडक्शन टू ड्रामा" के छात्रों द्वारा नाटकरूप में प्रस्तुत किया गया। 11 सितंबर 2010 को भा0प्रौ0सं0 रोपड़ में आयोजित सांस्कृतिक उत्सव में नाटक अनुभाग ने " यथार्थ" में प्रथम पुरस्कार जीता।

### सूचना प्रबन्धन समूह (आई0एम0जी0)

संसाधनो तथा सूचना के आदान - प्रदान की सुविधा के लिए संस्थान में इन्ट्रानेट स्थापित किया गया है। छात्रों को एक व्यक्तिगत उपयोगकर्ता आई0डी0 प्रदान की गई है जिसे वे विभिन्न प्रकार की फाइलों को अपलोड करने तथा पूर्ण संस्थान के साथ विचारों को साझा करने में प्रयोग कर सकते हैं। पाठन सामग्री, अनुशिक्षण तथा नियतकार्य को अपलोड करके संकाय भी इन्ट्रानेट का पूर्ण प्रयोग करते हैं। आई0एम0जी0 पूर्णतया छात्रों द्वारा प्रबंधित है।

## खेलें

### राष्ट्रीय खेल संगठन (एन०एस०ओ०)

राष्ट्रीय खेल संगठन भा०प्रौ०सं० मण्डी का सरकारी खेल कार्यक्रम है। यह संस्थान की पाठ्येतर गतिविधियों में शामिल किया गया है। प्रत्येक छात्र को एक सेमेस्टर में 40 घण्टे पूरे करने पड़ते हैं। राष्ट्रीय खेल संगठन संस्थान द्वारा प्रदत्त सभी खेल गतिविधियों को शामिल करता है।

भा०प्रौ०सं० मण्डी ने भा०प्रौ०सं० दिल्ली में 10 दिसंबर 2010 से 18 दिसम्बर 2010 तक आयोजित अन्तः आई० आई० टी० प्रतियोगिताओं में भाग लिया। 63 छात्रों ने विभिन्न आयोजनों में भाग लिया। संस्थान ने नये आई०आई०टी० लीग में तृतीय स्थान प्राप्त किया। माह फरवरी 2010 में खेत



गतिविधियों का ध्यान रखने के लिए एक शारीरिक प्रशिक्षण प्रशिक्षक की नियुक्ति की गई तथा टेबल टेनिस में प्रशिक्षण के लिए समयबद्ध कोच की नियुक्ति भी की गई। इसके अतिरिक्त फुटबाल और बास्केटबाल के लिए अवैतनिक कोच भी उपलब्ध है।

### खेल सुविधाएं:

खेल गतिविधियों में समन्वय के लिए एक खेल परिषद की स्थापना भी की गई है। एक नया संस्थान होने के बावजूद भी, संस्थान क्रीडा क्षेत्र के विकास में एक पक्की नींव रखने में सफल रहा है। खिलाड़ियों को अच्छे अनुभवी कोच और पर्याप्त सुविधाएं प्रदान करके उनका विशेष ध्यान रखा जा रहा है। खिलाड़ियों को विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं जैसे अन्तः आई०आई०टी० संग्राम, अन्तः विद्यालय प्रतियोगिताओं और बहुत सी अन्य प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया। भा०प्रौ०सं०, मण्डी ने भा०प्रौ०सं० दिल्ली में आयोजित 46वीं अन्तः आई०आई०टी० प्रतियोगिता में भाग लिया। संस्थान में अपेक्षित खेलें इस प्रकार हैं:—

- ◆ फुटबॉल
- ◆ क्रिकेट
- ◆ बैडमिंटन
- ◆ वॉलीबाल
- ◆ बास्केटबॉल
- ◆ शतरंज
- ◆ लॉन टैनिंस
- ◆ टेबल टैनिंस

### फुटबॉल :

हमारे पारगमन परिसर के बगल में पड्डल मैदान एक बहुत ही अच्छा फुटबॉल का मैदान है। एक अनुभवी कोच भी नियुक्त किया गया है। मैदान प्रथम वर्ष के छात्रावास के बहुत नजदीक है तथा पूर्णप्रकाश से सुसज्जित है ताकि खिलाड़ी रात्रि के समय अभ्यास कर सकें। भा0प्रौ0सं0 मण्डी की टीम ने भा0प्रौ0सं0 दिल्ली में दिसम्बर 2010 में आयोजित अन्तः आई0आई0टी0 प्रतियोगिता में भाग लिया था। टीम ने स्थानीय टीमों के साथ अभ्यास मैच भी खेले।

### क्रिकेट :

भा0प्रौ0सं0 मण्डी में कई लोग क्रिकेट के प्रशंसक हैं। इसको प्रोत्साहन देने के लिए खेल परिषद ने क्रिकेट टीम को लगभग सभी सुविधाएं प्रदान कर रखी हैं। नेट अभ्यास के लिए पक्की खेल पट्टियां बना रखी हैं। मैचों के लिए पड्डल मैदान में एक उच्चस्तरीय खेल पट्टी भी उपलब्ध है। एक कोच भी नियुक्त किया गया है। आई0आई0टी0 मण्डी के क्रिकेट खिलाड़ी बहुत ही उत्साहपूर्ण हैं और प्रशिक्षण सत्रों में नये तथा नवपरिवर्तनित तकनीक नियमित तौर पर उपयोग में लाए जाते हैं।

### बैडमिन्टन:

भा0प्रौ0सं0 मण्डी में बैडमिन्टन बहुत ही लोकप्रिय खेल बन गया है। संस्थान के समीप एक लकड़ी का मैदान है तथा शैक्षणिक खण्ड में भी एक बैडमिन्टन मैदान है।

### वॉलीबॉल:

संस्थान में तथा नजदीक के पड्डल क्षेत्र में वॉलीबॉल खेल के मैदान हैं। खिलाड़ियों के कौशल को सही स्तर तक बनाए रखने के लिए एक कोच भी नियुक्त किया गया है। छात्र किसी भी समय वॉलीबॉल खेलने के लिए स्वतंत्र हैं और यहां तक कि दोपहर के भोजन के समय भी मैदान को उपयोग में देखना असामान्य बात नहीं है।

### **बास्केट बॉल:**

भा0प्रौ0सं0 मण्डी में बास्केट बॉल टीम बहुत ही अनुशासित तथा मेहनती खेल समूह है। छात्रों के उपयोग के लिए वर्तमान में दो बास्केटबॉल मैदान उपलब्ध हैं। उनमें से एक छात्रावास के बहुत ही नज़दीक हैं। बास्केटबॉल के खिलाड़ी ज्यादातर कोच तथा अन्य स्थानीय खिलाड़ियों के साथ पड्डल मैदान में खेलते हैं।

### **शतरंज:**

भा0प्रौ0सं0 मण्डी में अच्छे शतरंज के खिलाड़ी हैं। संस्थान में शतरंज प्रतियोगिताएं नियमित विशेषता है। छात्र अन्तः विद्यालय शतरंज प्रतियोगिताओं तथा मुकाबलों में भाग लेते हैं।

### **लॉन टैनिंस:**

भा0प्रौ0सं0 दिल्ली में आयोजित, 46वीं अन्तः आई0आई0टी0 प्रतियोगिता में भा0प्रौ0सं0 मण्डी की टैनिंस टीम ने क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। वर्तमान में परिसर के बाहर वस द्वारा कुछ मिनट की दूरी तय करके लॉन टैनिंस का मैदान है।

### **टेबल टैनिंस:**

भा0प्रौ0सं0 मण्डी में टेबल टैनिंस सबसे ज्यादा खेली जाने वाली खेलों में से एक है। टेबल टैनिंस के लिए सभी छात्रावासों में सुविधाएं उपलब्ध हैं। खिलाड़ी जिलास्तरीय खिलाड़ियों के साथ खेलते हैं जो कौशल विकास में बहुत ही मददगार हैं। हमारे खिलाड़ी अन्तः विद्यालय तथा जिला स्तर पर अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। अन्तः विद्यालय तथा अन्तः छात्रावास टेबल टैनिंस प्रतियोगिताओं का आयोजन नियमित रूप से करवाया जाता है।

## राष्ट्रीय सेवा योजना (एन0एस0एस0)

एन0एस0एस0 आसपास के समाज की बेहतरी के लिए कार्य करने वाला छात्रों का एक स्वैच्छिक समूह है। यह संस्थान के समाजिक कार्यकर्ता हैं जो अपने इर्द गिर्द बेहतर समाज का प्रयास कर रहे हैं। भा0प्रौ0सं0 मण्डी के एन0एस0एस0 समूह में स्वास्थ्य, साक्षरता और



जागरुकता तीन व्यापक अनुभाग शामिल हैं। स्वास्थ्य अनुभाग वर्ष भर रक्त दान को बढ़ावा देने और आम बिमारियों के बारे में जागरुकता पैदा करने का अभियान चलाता है। 01 अक्टूबर 2010 को एन0एस0एस0 द्वारा क्षेत्रीय अस्पताल, मण्डी के रक्त बैंक के सहयोग से राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शहर के लोगों के अतिरिक्त, भा0प्रौ0सं0 मण्डी के संकाय और छात्रों ने इसमें सक्रिय भाग लिया। मण्डी के उपायुक्त डा0 अमनदीप गर्ग ने शिविर का उद्घाटन किया। इसमें 67 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया।

साक्षरता अनुभाग ऐसे छात्रों का समूह है जो शिक्षा तथा साक्षरता के प्रसारण के प्रति समर्पित है। वे गरीब तथा आर्थिक रूप से पिछड़ों को मुफ्त अध्ययन सामग्री उपलब्ध करवाकर तथा पाठ्यक्रम



संरचना के माध्यम से मार्गदर्शन करके उनकी सहायता करते हैं। साक्षरता अनुभाग के छात्रों द्वारा शहर के सरकारी स्कूलों में सेमिनार और जागरुकता अभियानों का आयोजन किया गया। वे शहर में जे0ई0ई0, ए0आई0ई0ई0ई0, पी0एम0टी0 आदि जैसे विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के ज्ञान का

प्रसार करके उच्च शिक्षा को बढ़ावा दे रहे हैं। विद्यार्थियों के लिए वे मुफ्त कक्षाएं चलाते हैं। जागरूकता अनुभाग समाज में विद्यमान सभी प्रकार की बुराईयों के बारे में जागरूकता पैदा करने में सफल हुआ है – यह बुराईयां चाहे बाल मजदूरी से सम्बन्धित हों, धूम्रपान के कुप्रभाव हों या शहर की सफाई के बारे में हो। यह ड्राईव एन0एस0एस0 के सभी अनुभागों द्वारा संयुक्त प्रयास था। यह ड्राईव असाधारण था क्योंकि इसमें बहुत से प्रथम वर्ष के छात्रों ने एन0एस0एस0 का सदस्य न होने के बावजूद भी भाग लिया। संस्थान परिसर में प्रथम वर्ष के छात्रावास के पीछे तथा शैक्षणिक खण्ड में स्थित बहुत से स्थानों को लक्षित किया गया तथा एकत्रित कचरे का सावधानीपूर्वक निपटान किया गया।

### अंग्रेजी वाद-विवाद तथा साहित्य सभा (ई0डी0एल0एस0)

ई0डी0एल0एस0 अंग्रेजी बोलने की योग्यता बढ़ाने के लिए छात्रों द्वारा की गई एक ऐसी पहल है जो कि हमारे दिन-प्रतिदिन के जीवन का एक बहुत ही महत्वपूर्ण भाग है। इसके अस्तित्व में आने से लेकर क्लब ने विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे मार्च 2011 में जस्ट ए मिनट (जे0ए0एम0), वाद-विवाद, समूह परिचर्चाएं आदि का आयोजन किया। ई0डी0एल0एस0 का विचार विभिन्न वाद-विवाद तथा साहित्यिक प्रतियोगिताओं जो पूर्ण देश में आयोजित की जाती हों, में भाग लेने का है।

### रोबोटिक अनुभाग:

यह अनुभाग छात्रों द्वारा प्रबंधित नवीनतम अनुभागों में से एक है। छात्र ऐसे यन्त्र-मानव पर कार्य कर रहे हैं जो सफाई कर्मचारी के रूप में कार्य करेगा तथा चारों ओर सफाई करने में सहायता करेगा। इसमें निश्चल, मेहनती तथा समर्पित छात्र शामिल हैं जो नए विचारों में विश्वास रखते हैं। हाल ही में रोबोटिक्स टीम थापर विश्वविद्यालय में आयोजित “नैक्सस” यंत्र मानव तथा इससे सम्बन्धित पक्ष के बारे में कार्यशाला में भाग लेने गई थी। रोबोटिक्स टीम आई0आई0टी0 दिल्ली में आयोजित तकनीकी उत्सव “ट्रिस्ट, 2011” के अन्तिम दौर में भी पहुंची थी। यह अनुभाग कार्यशालाओं के आयोजन के प्रति तथा उत्साही और शुरुआत करने वालों को सहायता प्रदान करने का कार्य भी करता है।

### पर्वतारोहण तथा ट्रेकिंग:

भा0प्रौ0सं0 मण्डी के छात्रों में बसने वाली साहसिक कार्य की भावना को जागरुक करने के लिए पर्वतारोहण और ट्रेकिंग क्लब की स्थापना की गई है। निदेशक के स्वयं पर्वतारोहण के इच्छुक होने के कारण, क्लब इच्छुक छात्रों के लिए विभिन्न स्थानों को नियमित आधार पर यात्राओं की व्यवस्था करता है। हाल ही में क्लब पराशर झील गया था जहां मनमोहक बर्फबारी ने उनका स्वागत किया।



### नैसैन्स

22 अप्रैल 2010 से लेकर 24 अप्रैल 2010 तक भा0प्रौ0सं0 मण्डी के छात्रों ने आई0आई0टी0 रुड़की के राजेन्द्रा भवन में प्रथम कलट एवं टैक आयोजन " नैसैन्स" आयोजित किया। डा0एस0सी0सक्से ना, निदेशक, आई0आई0टी0 रुड़की तथा डॉ टी0 ए0 गोन्साल्वेस, निदेशक, आई0आई0टी0 मण्डी जैसे गणमान्य अतिथियों ने इसमें भाग



लिया तथा आयोजन के प्रबन्धन के लिए आई0आई0टी0 रुड़की का धन्यवाद किया।



## सांस्कृतिक गतिविधियां



### स्वतंत्रता दिवस समारोह :

भा0प्रौ0सं0 मण्डी ने अपने मण्डी परिसर में स्वतंत्रता दिवस का आयोजन किया। इस अवसर पर आई0आई0टी0 मण्डी के अभिशाषक परिषद के अध्यक्ष श्री एम0नटराजन ने ध्वजारोहण किया। प्रो0 टी0ए0गोनसात्वेस, निदेशक, भा0प्रौ0सं0 मण्डी तथा उनकी धर्मपत्नी भी इस अवसर पर उपस्थित थे। आयोजन को प्रभावी बनाने के लिए एन0सी0सी0 कैडेटों का एक दल भी उपस्थित था। तत्पश्चात् वल्लभ विद्यालय के सहयोग से भा0प्रौ0सं0 मण्डी के छात्रों द्वारा प्रबन्धित सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

### पशुपालन विभाग की भूमि पर स्वामित्व :

18 जनवरी 2011 को, भा0प्रौ0सं0 मण्डी ने निदेशक, तकनीकी शिक्षा से 99 वर्षीय पट्टे पर हस्ताक्षर करते हुए पशुपालन विभाग के 203 एकड़ भूमि के कमान्द परिसर के भाग का स्वामित्व प्राप्त किया।





### गणतंत्र दिवस समारोह :

भा0प्रौ0सं0 मण्डी ने गर्वसहित तथा पारम्परिक जोश के साथ बासठवां गणतंत्र दिवस समारोह मनाया। शैक्षणिक खण्ड के सामने प्रातः काल 09 बजे राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। समारोह के समय शैक्षिक वर्ग, स्टॉफ के सदस्य तथा छात्र उपस्थित थे। डॉ0 विशाल सिंह चौहान ने सभा को सम्बोधित किया तथा हर एक को उनकी राष्ट्र की उन्नति तथा विकास के प्रति जिम्मेदारी के बारे में याद दिलाया।

### द्वितीय स्थापना दिवस :

दूसरा स्थापना दिवस अवसर की उपयुक्तता के अनुसार उल्लासपूर्वक ढंग से 25 फरवरी 2011 को मनाया गया। संस्थान के विकास में उनके योगदान के लिए बहुत से छात्र, स्टॉफ तथा संकाय के सदस्यों को मान्यता प्रदान करने के साथ-2 सम्मानित किया गया। सम्पूर्ण आई0आई0टी0 मण्डी



परिवार ने स्वपन संस्थान के भावी स्थल "कमांद परिसर" का दौरा किया। स्नातक प्रौद्योगिकी के प्रथम वर्ष के छात्रों ने अपने जीवंत प्रदर्शन द्वारा एकत्रित लोगों का मनोरंजन किया।

### महिला दिवस:

नारीत्व का अभिन्नदन करते हुए भा0प्रौ0सं0 मण्डी परिवार ने 08 मार्च 2011 को अंतराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया। संकाय छात्रों तथा स्टॉफ के सदस्यों की सक्रिय भागीदारी ने इस अवसर को मूल्यवान बनाया। प्रो0 तिमोथी ए0 गोनसाल्वेस, निदेशक भा0प्रौ0सं0 मण्डी ने अपनी उपस्थिति से एकत्रित जनसमूह को सम्मानित किया। परिचयात्मक भाषण ने दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला तथा दर्शकों को मुद्दे की गम्भीरता का एहसास दिलाया। इसके उपरान्त छात्रों द्वारा एक हास्यनाटक प्रस्तुत किया गया जिसके द्वारा महिलाओं के प्रति सामाजिक कलंकित सोच तथा उनके शशक्तिकरण तथा समानता हेतु संघर्ष का चित्रण किया गया। एकत्रित जनसमूह को एक पैनल वार्ता के प्रति परामर्श दिया गया, जिसकी अध्यक्षता डॉ0प्रिस्किल्ला टी0 गोनसाल्वेस ने की तथा संतुलन डॉ0 विपाशा सोनी ने किया जबकि डॉ0 नितु कुमारी तथा छात्र प्रतिनिधि सुश्री अन्तरा ने अपने विचार प्रस्तुत किये।



### स्थायी परिसर:

जुलाई 2012 से जुलाई 2013 तक संस्थान धीरे – 2 अपने स्थायी परिसर कमान्द को स्थानांतरित हो जाएगा जो की मण्डी शहर से लगभग 15 किलोमीटर की दूरी पर है। प्रारम्भ में कार्यशालाएं तथा कुछ प्रयोगशालाएं जुलाई, 2012 से नए परिसर में परिचालन शुरू कर दी जायेंगी। लगभग 530 एकड़ शान्त और अविशुद्ध भूक्षेत्र पर निर्मित परिसर प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर उच्चस्तरीय जीवन के साथ विश्वस्तरीय शैक्षणिक वातावरण प्रदान करेगा। परिसर केवल अत्याधुनिक सुविधाओं से परिपूर्ण ही नहीं बल्कि पर्यावरण के अनुकूल तथा टिकाऊ आधारभूत ढांचा भी प्रदान करेगा।

## अभिशासक परिषद



### अध्यक्ष

श्री एम० नटराजन

पूर्व वैज्ञानिक सलाहकार रक्षा मन्त्री एवं सचिव  
डी०आर०डी०ओ०, तियागराजा नगर,  
तिरुनलवेली-627011 तमिलनाडु

### सदस्य

प्रो० टी०ए० गोनसाल्विस,  
निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी  
मण्डी-175001 (हि०प्र०)

श्री जे०सी०चौहान  
विशेष सचिव (टी०ई०)  
हिमाचल सरकार,  
हिमाचल प्रदेश सरकार सचिवालय,  
शिमला-171001(हि०प्र०)

श्री तनवीर जेहान  
सचिव, उच्च शिक्षा विभाग,  
जम्मू कश्मीर सरकार,  
सचिवालय कमरा नं० 520, 5वीं मंजिल,  
श्रीनगर- 190001(जम्मू एवं कश्मीर)

श्री अमित खरे  
संयुक्त सचिव (आई०सी०सी०)  
माध्यमिक एवं उच्चतर शिक्षा विभाग  
मानव संसाधन विकास मंत्रालय,  
भारत सरकार, नई दिल्ली-110001

श्री प्रदीप गुप्ता  
अध्यक्ष, साईबर मिडीया (भारत) लि०,  
गुडगांव, (एन०सी०आर० दिल्ली)122001

श्री नितिन परांजपेई  
मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक  
हिन्दुस्तान युनिलीवर लि०,  
हिन्दुस्तान युनिलीवर भवन, मुम्बई-400020

श्री एस०के० गर्ग  
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक  
एन०एच०पी०सी० लि०  
फरीदाबाद-121003 (हरियाणा)

### सिनेट

प्रो० आई०एम० मिश्रा  
अध्यक्ष, सहारनपुर परिसर एवं  
भारतीय प्रौद्योगिकी  
संस्थान, रुड़की,  
रुड़की- 247667

प्रो० डी०के० पाल  
प्राध्यापक,  
भूकंप अभियांत्रिकी विभाग,  
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की,  
रुड़की-247667

### सचिव

डा० आर०सी० साहनी  
सदस्य सचिव  
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मण्डी  
मण्डी-175001

इस वर्ष अभिशासक परिषद की बैठकें दिनांक 19.04.2010 तथा 22.11.2010 को आयोजित हुईं।

## वित्त समिति

### अध्यक्ष

श्री एम0 नटराजन,  
पूर्व वैज्ञानिक सलाहकार रक्षा मन्त्री  
एवं सचिव, डी0आर0डी0ओ0,  
तिरुनलवेली-627011, तमिलनाडु

### सदस्य

प्रो0 टी0ए0गोनसाल्वेस  
निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी  
मण्डी-175001 (हि0प्र0)

श्री अशोक ठाकुर  
अतिरिक्त सचिव (उच्चशिक्षा)  
मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार,  
माध्यमिक एवं उच्चतर शिक्षा विभाग,  
शास्त्री भवन, नई दिल्ली-110001

श्री एस0के0 रे  
अतिरिक्त सचिव एवं वित्त सलाहकार,  
मानव संसाधन विकास मंत्रालय,  
भारत सरकार, माध्यमिक एवं उच्चतर शिक्षा विभाग  
नई दिल्ली

### बोर्ड नामित

प्रो0 भास्कर रामामूर्ति  
अध्यक्ष (योजना)  
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास  
एवं निदेशक, वायरलैस प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उत्कृष्टता केन्द्र,  
चेन्नई-600036

प्रो0 सुरेन्द्र कुमार  
अध्यक्ष, शैक्षिक अनुसंधान एवं प्राध्यापक, रासायनिक अभियांत्रिकी  
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की-247667

### सचिव

डा0 आर0सी0 साहनी  
कुलसचिव  
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मण्डी  
मण्डी-175001

इस वर्ष वित्त समिति की बैठकें दिनांक 19.04.2010 और 22.10.2010 और को आयोजित की गईं।

## भवन एवं निर्माण कार्य समिति

### अध्यक्ष

प्रो० टी०ए०गोनसाल्वेस,  
निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी  
मण्डी-175001 (हि०प्र०)

### सदस्य

प्रो० ललित मल्होत्रा  
आगन्तुक प्राध्यापक  
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मण्डी, 175001

प्रो० सुनील काले  
प्राध्यापक, यांत्रिक अभियांत्रिकी  
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मण्डी

प्रो० संजय राय  
प्राध्यापक, विद्युत् अभियांत्रिकी  
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मण्डी

श्री के०एन० राय  
भूतपूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी,  
लोक निर्माण, डी०आर०डी०ओ०  
नई दिल्ली

श्रीमती रश्मि चौधरी  
निदेशक, (टी०) भारत सरकार  
माध्यमिक एवं उच्चतर शिक्षा विभाग  
मानव संसाधन विकास मंत्रालय  
नई दिल्ली

प्रो० के०सी० अयर,  
प्राध्यापक, सिविल अभियांत्रिकी  
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली  
नई दिल्ली

श्री उदयान उक्खल  
उप महाप्रबंधक  
हि०प्र० विद्युत् निगम लि०  
सुन्दरनगर, (हि०प्र०)

श्री पी०के० गुप्ता  
पी०ई०-ई०ओ०  
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मण्डी

### सदस्य सचिव

डा० आर०सी० साहनी  
कुलसचिव  
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मण्डी  
मण्डी-175001

## तदर्थ सीनेट

### अध्यक्ष

प्रो० तिमोथी ए० गोनसाल्वेस, निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मण्डी, हि०प्र०

### संस्थान के प्राध्यापक

प्रो० पी०सी० देशमुख, अध्यक्ष (शिक्षा) भा०प्रौ०सं०, मण्डी

प्रो० दीपक खेमानी, अध्यक्ष (छात्र) भा०प्रौ०सं०, मण्डी

प्रो० बी०के०मिश्रा, अध्यक्ष(योजना) भा०प्रौ०सं०, मण्डी

प्रो० बी०एन०बेनर्जी, आगन्तुक प्राध्यापक, भा०प्रौ०सं०, मण्डी

प्रो० ललित मल्होत्रा, आगन्तुक प्राध्यापक, भा०प्रौ०सं०, मण्डी

### शैक्षणिक सलाहकार परिषद के सदस्य

प्रो० मनोज मिश्रा, ई०एवंसी०, भा०प्रौ०सं०, रुड़की

प्रो० हरि बालकृष्ण, सी०एस०, एम०आई०टी० (यू०एस०)

डा० एन०एस०नारायणास्वामी, सी०एस०ई०, भा०प्रौ०सं०, मद्रास

डा० शंकर बालाचंद्र, सी०एस०ई०, भा०प्रौ०सं०, मद्रास

प्रो० डी०के०मेहरा, ई०एवंसी०, भा०प्रौ०सं०, रुड़की

प्रो० एस०पी०गुप्ता, ई०ई०, भा०प्रौ०सं०, रुड़की

प्रो० अनिल प्रभाकर, ई०ई०, भा०प्रौ०सं०, मद्रास

डा० नितिन चंद्राचूडन, ई०ई०, भा०प्रौ०सं०, मद्रास

प्रो० सुनील काले, एम०ई०, भा०प्रौ०सं०, दिल्ली

प्रो० बाबू विश्वानाथन, एम०ई०, भा०प्रौ०सं०, मद्रास

प्रो० कल्यानमुई देव, एम०ई०, भा०प्रौ०सं०, कानपुर

प्रो० सुब्रता रे, एम०एम०, भा०प्रौ०सं०, रुड़की

प्रो० टशी नौटियाल, भा०प्रौ०सं०, रुड़की

डा० आलोक मिश्रा, भा०प्रौ०सं०, रुड़की

प्रो० माला नाथ, भा०प्रौ०सं०, रुड़की

डा० पी०पी०थैकाचन, भा०प्रौ०सं०, रुड़की

प्रो०अमलेन्दु चंद्रा चर्ई, भा०प्रौ०सं०, कानपुर  
 प्रो० एस०वासुदेवन चर्ई, आई०आई०एस०सी०, बँगलुरु  
 प्रो० आर०सी०मित्तल, एम०ए०, भा०प्रौ०सं०, रुड़की  
 प्रो० एस० सुन्दर, एम०ए०, भा०प्रौ०सं०, मद्रास  
 प्रो० शोरमिस्टा पंजा, अंग्रेजी, दिल्ली विश्वविद्यालय  
 प्रो० नौरियाल, एच०एस०एस०, भा०प्रौ०सं०, रुड़की  
 डा० के० श्रीलता, एच०सी०सी०, भा०प्रौ०सं०, मद्रास  
 डा० ए० थिल्लई राजन, प्रबंध शिक्षा, भा०प्रौ०सं०, रुड़की

### परिषद के सदस्य

डा० अनिल कुमार साओ, सहायक प्राध्यापक, भा०प्रौ०सं०, मण्डी  
 डा० विशाल सिंह चौहान, सहायक प्राध्यापक, भा०प्रौ०सं०, मण्डी  
 डा० प्रेम फेलिक्स सिरिल, सहायक प्राध्यापक, भा०प्रौ०सं०, मण्डी  
 डा० स्वेता राव, सहायक प्राध्यापक, भा०प्रौ०सं०, मण्डी  
 श्री युगदीप बांगर, छात्र महासचिव, भा०प्रौ०सं०, मण्डी  
 श्री मनीष शंकरम, छात्र शिक्षा मामले सचिव, भा०प्रौ०सं०, मण्डी  
 श्री रीना सिंह, छात्र अनुसंधान मामले सचिव, भा०प्रौ०सं०, मण्डी

### सचिव

डा०आर०सी० साहनी, कुलसचिव, भा०प्रौ०सं०, मण्डी



## शैक्षणिक अधिकारी

प्रो० तिमोथी ए० गोनसाल्विस  
निदेशक

प्रो० पी०सी० देशमुख  
अधिष्ठाता, शैक्षणिक

प्रो० दीपक खेमानी,  
अधिष्ठाता, छात्र

प्रो० बी०के० मिश्रा  
अधिष्ठाता, योजना

प्रो० ललित मल्होत्रा  
विभागाध्यक्ष, आधारभूत विज्ञान की पाठशाला

प्रो० बी०एन०बेनर्जी  
विभागाध्यक्ष, अभियांत्रिकी

## प्रशासनिक अधिकारी

डा० आर०सी०साहनी  
विशेष कार्य अधिकारी एवं कुलसचिव

डा० एस०के० पाठक  
उपपुस्तकालयाध्यक्ष

पी०के० गुप्ता  
परियोजना अभियंता एवं संपदा अधिकारी

श्री जे०आर० शर्मा  
वित्त एवं लेखा अधिकारी

श्री सी०एल०शर्मा  
सहायक कुलसचिव (लेखापरीक्षा एवं लेखा)

श्री पुनीत गोयल  
सहायक कुलसचिव (प्रशासनिक)

श्री एस० सैम्युल  
विशेष कार्य अधिकारी

डा० घनश्याम कपूर  
जनरल ड्यूटी चिकित्सा अधिकारी

कुमारी चन्दन शर्मा  
जन सूचना सलाहकार

श्री सालिग राम  
उप सुरक्षा अधिकारी

## छात्र नेतृत्व

श्री सौरभ जैन  
महासचिव

श्री मनीष शंकरम  
शैक्षणिक सचिव

श्री अंकुर दीक्षित  
खेल सचिव

श्री अंकुर नाहर  
सांस्कृतिक सचिव

## शैक्षिक वर्ग 31.03.2011 तक

नाम	पदनाम	स्कूल
प्रो० तिमोथी ए० गोनसाल्वेस	निदेशक	कम्प्यूटिंग एवं विद्युत अभियांत्रिकी
प्रो० पी०सी० देशमुख	अधिष्ठाता शैक्षणिक	मूल विज्ञान
प्रो० दीपक खेमानी	अधिष्ठाता छात्र	कम्प्यूटिंग एवं विद्युत अभियांत्रिकी
प्रो० ललित मल्होत्रा	आगन्तुक प्राध्यापक	मूल विज्ञान
प्रो० बी०एन०बेनर्जी	प्रमुख	अभियांत्रिकी

कम्प्यूटिंग एवं विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल		
नाम	पदनाम	पी०एच०डी०
डा० अनिल कुमार साओ	सहायक प्राध्यापक	भा०प्रौ०सं०, मद्रास 2010
डा० भारत सिंह राजपुरोहित	सहायक प्राध्यापक	भा०प्रौ०सं०, कानपुर
डा० डिनिल मून दिवाकरन	सहायक प्राध्यापक	लियोन विश्वविद्यालय 2010
डा० गगन गर्ग	सहायक प्राध्यापक	भा०वि०सं० बंगलूरु
डा० जीनेमाला हाओबिजम	सहायक प्राध्यापक	भा०प्रौ०सं०, गुवाहाटी 2010
डा० त्रिप्ती जैन	सहायक प्राध्यापक	भा०प्रौ०सं०, कानपुर 2009
अभियांत्रिकी		
नाम	पदनाम	पी०एच०डी०
डा० प्यादी अनिल किशन	सहायक प्राध्यापक	भा०प्रौ०सं०, खड़गपुर 2009
डा० राजीव कुमार	सहायक प्राध्यापक	भा०प्रौ०सं०, रुड़की 2008
डा० सतीश गेदुपुदी	सहायक प्राध्यापक	भा०प्रौ०सं०, मद्रास 2007
डा० विशाल सिंह चौहान	सहायक प्राध्यापक	बीरला प्रौद्योगिकी संस्थान, मेसरा रांची
मानविकी और समाजिक विज्ञान		
नाम	पदनाम	पी०एच०डी०
डा० स्वेता गर्ग	सहायक प्राध्यापक	भा०प्रौ०सं०, रुड़की 2010
डा० सुमित मजुमंदार	सहायक प्राध्यापक	अंतराष्ट्रीय जनसंख्या विज्ञान के लिए संस्थान, मुंबई 2008

मूल विज्ञान		
नाम	पदनाम	पी०एच०डी०
डा० अनिरुद्ध चक्रवर्ती	सहायक प्राध्यापक	भारतीय विज्ञान संस्थान बंगलुरु 2005
डा० बिन्दू राधामणी	सहायक प्राध्यापक	देवी अहिल्या वि० इन्दौर 2007
डा० चयन कांती नंदी	सहायक प्राध्यापक	भा०प्रौ०सं०, मद्रास 2007
डा० हरि वर्मा आर	सहायक प्राध्यापक	भा०प्रौ०सं०, रुड़की 2008
डा० मनोज ठाकुर	सहायक प्राध्यापक	भा०प्रौ०सं०, रुड़की 2007
डा० नितु कुमारी	सहायक प्राध्यापक	इण्डियन इस्टीच्यूट ऑफ माईन्ज धनबाद
डा० प्रदीप सी०पी०	सहायक प्राध्यापक	हैदराबाद विश्वविद्यालय 2006
डा० पोनेरी सी० रवि कुमार	सहायक प्राध्यापक	भा०वि०सं० बंगलुरु
डा० प्रशांत पी० जो०	सहायक प्राध्यापक	भा०वि०सं० बंगलुरु
डा० प्रेम फैलिक्स सिरिल	सहायक प्राध्यापक	दीन दयाल उपाध्याय वि० गोरखपुर
डा० सुबर्ता घोष	सहायक प्राध्यापक	भा०प्रौ०सं०, गुवाहाटी 2007
डा० सुमन कल्यानपाल	सहायक प्राध्यापक	जदापुर विश्वविद्यालय 2006
डा० सईद अब्बास	सहायक प्राध्यापक	भा०प्रौ०सं० कानपुर 2009
डा० राजेन्द्र कुमार रे	सहायक प्राध्यापक	भा०प्रौ०सं०, गुवाहाटी 2009
डा० प्रद्युम्न कुमार पाठक	सहायक प्राध्यापक	गुजरात विश्वविद्यालय 2007

स्थायी कर्मचारी 31.03.2011 तक

क्र० सं०	नाम	पद
1.	डा० एस०के० पाठक	पुस्तकालय उपाध्यक्ष
2.	श्री पी०के० गुप्ता	परियोजना अभियन्ता एवं संपदा अधिकारी
3.	श्री पुनीत गोयल	सहायक कुल सचिव
4.	श्री रजत कुमार	कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल)
5.	श्री मनोज कुमार चौधरी	कनिष्ठ अभियन्ता (विद्युत)
6.	कुमारी मोनीका कश्यप	निजी सहायक (निदेशक)
7.	श्री देवीदास अमरजीत	निजी सहायक (कुलसचिव)
8.	श्री विनोद कुमार	वरिष्ठ सूचना सहायक (पुस्तकालय)
9.	श्री रमेश कुमार	कनिष्ठ लेखाकार
10.	श्री राकेश कुमार कुशवाहा	कनिष्ठ लेखाकार

## पी0एच0डी0 छात्र

कं0 सं0	पंजीक्रम	छात्र का नाम
1.	डी.10001	सिंधु के
2.	डी.10002	अन्ना वघीश
3.	डी.10003	नवनीत सिंह
4.	डी.10004	पुष्पेन्द्र कुमार
5.	डी.10005	लक्ष्मण मेहतो
6.	डी.10006	जय प्रकाश त्रिपथी
7.	डी.10007	हेमंत जलोटा
8.	डी.10008	सुनील दत्त
9.	डी.10009	सुगाता सिन्हा
10.	डी.10010	विवेक कुमार मिश्रा
11.	डी.10011	दिवाकर
12.	डी.10012	अभिषेक चौधरी
13.	डी.10013	रीना सिंह
14.	डी.10014	चंद्र कांत सुशील
15.	डी.10015	आशीष कुमार
16.	डी.10016	जितेन्द्र कुमार वर्मा

## एम0एस0 छात्र

कं0 सं0	पंजीक्रम	छात्र का नाम
1.	एस.10001	रुना बरिक
2.	एस.10002	सुजीत कुमार
3.	एस.10003	शेजिन टी
4.	एस.10004	रणजीत सिंह
5.	एस.10005	श्रीमंता मण्डल
6.	एस.10006	विजय चौहान

## बी0टैक छात्र -2009 बैच

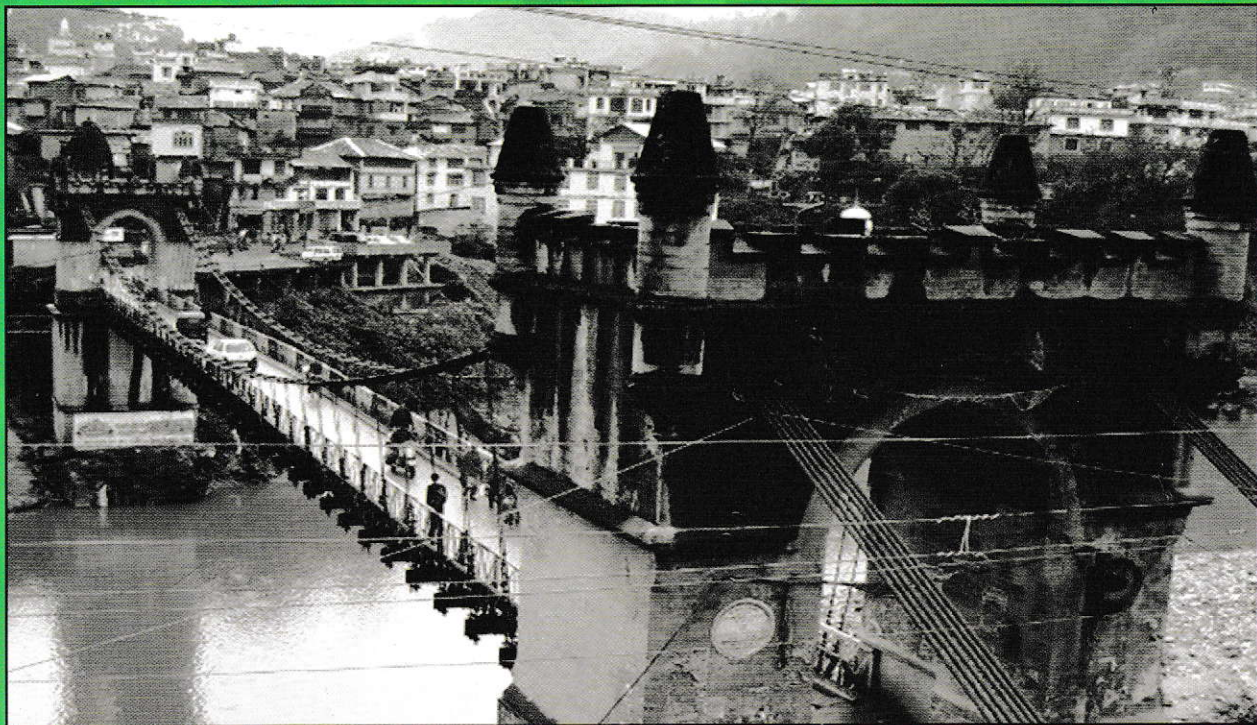
क्र० सं०	पंजीक्रम	छात्र का नाम	शाखा	क्र० सं०	पंजीक्रम	छात्र का नाम	शाखा
1.	बी.09001	अभिमन्यु कुमार	सी0एस0ई0	50.	बी.09063	कुलदीप पुरोहित	ई0ई0
2.	बी.09002	अख्तर शाही कुरैशी	सी0एस0ई0	51.	बी.09064	कुमोद कुमार गुप्ता	ई0ई0
3.	बी.09003	अमन	सी0एस0ई0	52.	बी.09065	एम0 झिनगोनिया	ई0ई0
4.	बी.09004	अमनजोत कौर	सी0एस0ई0	53.	बी.09066	मोहित कुमार मल्होत्रा	ई0ई0
5.	बी.09005	अमित कुमार स्वामी	सी0एस0ई0	54.	बी.09067	निखिल कंदोई	ई0ई0
6.	बी.09006	अनुराग अरोड़ा	सी0एस0ई0	55.	बी.09068	निक्की कुमार	ई0ई0
7.	बी.09007	आशीष गुप्ता	सी0एस0ई0	56.	बी.09069	शौरभ जैन	ई0ई0
8.	बी.09008	आशीष कुमार गुप्ता	सी0एस0ई0	57.	बी.09070	शम्मश मोहयादीन	ई0ई0
9.	बी.09009	देविन्द्र यादव	सी0एस0ई0	58.	बी.09071	सिद्धांत मलिक	ई0ई0
10.	बी.09010	दिव्या	सी0एस0ई0	59.	बी.09072	सुकेत	ई0ई0
11.	बी.09011	गवाले सम्राट बी	सी0एस0ई0	60.	बी.09073	सुनन्दा यादव	ई0ई0
12.	बी.09012	हरशुल जैन	सी0एस0ई0	61.	बी.09074	उदय मित्तल	ई0ई0
13.	बी.09013	हिमानी गौगना	सी0एस0ई0	62.	बी.09075	वी0 विग्नेश	ई0ई0
14.	बी.09014	जे0साई सागर	सी0एस0ई0	63.	बी.09076	बोदुना राहुल	ई0ई0
15.	बी.09015	जितेश शर्मा	सी0एस0ई0	64.	बी.09077	चंदन	ई0ई0
16.	बी.09016	कारी साई श्रीनिवास	सी0एस0ई0	65.	बी.09078	चिन्मय दुश्यन्त भगत	ई0ई0
17.	बी.09017	करमपुदी रामकृष्ण रेड्डी	सी0एस0ई0	66.	बी.09079	करयमशैट्टी रोशनी	ई0ई0
18.	बी.09018	नरेश कुमार	सी0एस0ई0	67.	बी.09080	कुलकर्णी अक्षय जयंत	ई0ई0
19.	बी.09019	नीरज कुमार झिंगोनिया	सी0एस0ई0	68.	बी.09081	महेश कुमावत	ई0ई0
20.	बी.09020	निखिल कुमार गुप्ता	सी0एस0ई0	69.	बी.09082	मुतुकोलुजु भानू प्रकाश	ई0ई0
21.	बी.09021	पंकज कुमार यादव	सी0एस0ई0	70.	बी.09083	पुनीत सैणी	ई0ई0
22.	बी.09022	पंकज शर्मा	सी0एस0ई0	71.	बी.09084	शुभम गुप्ता	ई0ई0
23.	बी.09023	प्रणव कपूर	सी0एस0ई0	72.	बी.09085	सुनील	ई0ई0
24.	बी.09024	राहुल जैन	सी0एस0ई0	73.	बी.09086	दिपांशु रस्तोगी	ई0ई0
25.	बी.09025	राज कमल सिंह	सी0एस0ई0	74.	बी.09087	शौरभ सरोई	ई0ई0
26.	बी.09026	रताला राजेश्वरी	सी0एस0ई0	75.	बी.09101	अंकुर	एम0ई0
27.	बी.09027	शेखर	सी0एस0ई0	76.	बी.09102	अंकुश सिंगला	एम0ई0
28.	बी.09028	सोमा बनिक	सी0एस0ई0	77.	बी.09103	अनुराग जखोतीया	एम0ई0
29.	बी.09029	श्रवण	सी0एस0ई0	78.	बी.09104	चेमुदुरु श्रीराम	एम0ई0
30.	बी.09030	सुमित सिंह अरोड़ा	सी0एस0ई0	79.	बी.09105	गौरव यादव	एम0ई0
31.	बी.09031	सुयेश तनेजा	सी0एस0ई0	80.	बी.09106	गुनत्रेदी प्रधवी राज	एम0ई0
32.	बी.09032	वैभव अग्रवाल	सी0एस0ई0	81.	बी.09107	एम0 प्रमोद देव जयंत	एम0ई0
33.	बी.09033	युगदीप बांगर	सी0एस0ई0	82.	बी.09108	मनीश शंकरम	एम0ई0
34.	बी.09034	बसवा राजू कनापार्थी	सी0एस0ई0	83.	बी.09109	निखिल छावड़ा	एम0ई0
35.	बी.09035	देवांग मोयल	सी0एस0ई0	84.	बी.09110	प्रियंक बी0 पटेल	एम0ई0
36.	बी.09036	निशांत गोयल	सी0एस0ई0	85.	बी.09111	पाउली समथ कु0 रेड्डी	एम0ई0
37.	बी.09037	शेखर अग्रवाल	सी0एस0ई0	86.	बी.09112	रंजन	एम0ई0
38.	बी.09051	अदित्य गोयल	ई0ई0	87.	बी.09113	सी0 विजय राहुल राज	एम0ई0
39.	बी.09052	अखालेश कुमार	ई0ई0	88.	बी.09114	सचिन सिंघल	एम0ई0
40.	बी.09053	अमित कुमार	ई0ई0	89.	बी.09115	सक्षम	एम0ई0
41.	बी.09054	अनशय अग्रवाल	ई0ई0	90.	बी.09116	सुभित पाल सिंह	एम0ई0
42.	बी.09055	चौपाला वेंकाता अनुदीप	ई0ई0	91.	बी.09117	सुबिक कुमार	एम0ई0
43.	बी.09056	श्रीकांत डामा	ई0ई0	92.	बी.09118	सुनिल चौधरी	एम0ई0
44.	बी.09057	ध्रुव परमार	ई0ई0	93.	बी.09119	थोरट विजय गनेश	एम0ई0
45.	बी.09058	गीता श्रव्या अन्नावारप्पु	ई0ई0	94.	बी.09120	वाका परवीन	एम0ई0
46.	बी.09059	यशवंत कुमार इन्द्रीवानी	ई0ई0	95.	बी.09121	वेन्तेदू तेजा	एम0ई0
47.	बी.09060	ईशांश सिंह	ई0ई0	96.	बी.09122	मिन्मोय बिसवास	एम0ई0
48.	बी.09061	के मनोहर	ई0ई0	97.	बी.09123	आर0श्याम सुन्दर	एम0ई0
49.	बी.09062	कन्हैया मिश्रा	ई0ई0	98.	बी.09124	रोहित नारायण राउत	एम0ई0

## बी0टैक छात्र- 2010 बैच

क्र०सं०	पंजीक्रम	छात्र का नाम	शाखा	क्र०सं०	पंजीक्रम	छात्र का नाम	शाखा
1	वी.10001	अग्रा वसक	सी0एस0ई0	53	वी.10061	ललित राहोता	ई0ई0
2	वी.10002	अजय कुमार	सी0एस0ई0	54	वी.10062	मनोज कुमार मीना	ई0ई0
3	वी.10003	अमन अग्रवाल	सी0एस0ई0	55	वी.10063	मोहित गोयल	ई0ई0
4	वी.10004	अन्तरा	सी0एस0ई0	56	वी.10064	मोहित यादव	ई0ई0
5	वी.10005	अपूर्व कुमार	सी0एस0ई0	57	वी.10065	नीलम चैनकाता अभिषेक	ई0ई0
6	वी.10006	आशीष महावीर	सी0एस0ई0	58	वी.10066	नरेन्द्र कुमार मीना	ई0ई0
7	वी.10007	आशीष सिंह	सी0एस0ई0	59	वी.10067	नरेन्द्र प्रजापत	ई0ई0
8	वी.10008	अश्वनी कुमार दौतनिया	सी0एस0ई0	60	वी.10068	पत्नीया अदित्या वेदप्रकाश	ई0ई0
9	वी.10009	बदावत सम्पथ कुमार	सी0एस0ई0	61	वी.10069	राहुल कुमार गौतम	ई0ई0
10	वी.10010	योगा साईकिरन	सी0एस0ई0	62	वी.10070	राम गर्ग	ई0ई0
11	वी.10011	दिव्या गोयल	सी0एस0ई0	63	वी.10071	रोहित गोयल	ई0ई0
12	वी.10012	गौरव चौधरी	सी0एस0ई0	64	वी.10072	रोहित रांग्राल	ई0ई0
13	वी.10013	अमित कृष्णकान्त गोरे	सी0एस0ई0	65	वी.10073	एस0 भवनेश्वरी	ई0ई0
14	वी.10014	हिमांशु देवन	सी0एस0ई0	66	वी.10074	सचिन कुमार सैनी	ई0ई0
15	वी.10015	आकाश एस0 हिन्गु	सी0एस0ई0	67	वी.10075	सचिन शर्मा	ई0ई0
16	वी.10016	जय प्रकाश	सी0एस0ई0	68	वी.10076	सौम्या सिंह	ई0ई0
17	वी.10017	जितेन्द्र प्रकाश कीर	सी0एस0ई0	69	वी.10077	शरणांक माथुर	ई0ई0
18	वी.10018	के सैथे जोश	सी0एस0ई0	70	वी.10078	शिन्दांत मोहन	ई0ई0
19	वी.10019	खुशाली मोदी	सी0एस0ई0	71	वी.10079	सुनिल यादव	ई0ई0
20	वी.10020	निखिल नन्दकुमार लोंकर	सी0एस0ई0	72	वी.10080	सूरज वी मलोदे	ई0ई0
21	वी.10021	महेश यादव	सी0एस0ई0	73	वी.10081	वाना देवी प्रहारशा	ई0ई0
22	वी.10022	एम अग्रवाल	सी0एस0ई0	74	वी.10082	विकास यादव	ई0ई0
23	वी.10023	नन्दिनी कपूर	सी0एस0ई0	75	वी.10083	विवेक कुमार	ई0ई0
24	वी.10024	नीरज कुमार	सी0एस0ई0	76	वी.10084	विवेक सिंह चंदेल	ई0ई0
25	वी.10025	पीरातला विहारी	सी0एस0ई0	77	वी.10085	देविन्द्र कुमार मीना	ई0ई0
26	वी.10026	प्रशांत कुमार सिंह	सी0एस0ई0	78	वी.10086	हरिओम मीना	ई0ई0
27	वी.10027	रहेजा विशाल जगदीश	सी0एस0ई0	79	वी.10087	अमित कुमार मीना	ई0ई0
28	वी.10028	सद्दीक रशूल	सी0एस0ई0	80	वी.10101	अभिषेक वर्मा	एम0ई0
29	वी.10029	संचित खत्री	सी0एस0ई0	81	वी.10102	अदीश भण्डारी	एम0ई0
30	वी.10030	शिव शंकर वैश्य	सी0एस0ई0	82	वी.10103	आकाश पटेल	एम0ई0
31	वी.10031	शियांश अग्रवाल	सी0एस0ई0	83	वी.10104	आकाश पाठक	एम0ई0
32	वी.10032	शौभिक देवनाथ	सी0एस0ई0	84	वी.10105	अनिश मोंगा	एम0ई0
33	वी.10033	सैतेजा श्रीकोंडा	सी0एस0ई0	85	वी.10106	अनुपम	एम0ई0
34	वी.10034	सुधांशु गौड	सी0एस0ई0	86	वी.10107	दामिनी सिंघल	एम0ई0
35	वी.10035	सुक्रित अग्रवाल	सी0एस0ई0	87	वी.10108	दीपक चौधरी	एम0ई0
36	वी.10036	सुमन सौरभ सुन्दराय	सी0एस0ई0	88	वी.10109	दीपक शर्मा	एम0ई0
37	वी.10037	तुषार दुवल्लिश	सी0एस0ई0	89	वी.10110	ईशान अग्रवाल	एम0ई0
38	वी.10038	विवेक विश्वकर्मा	सी0एस0ई0	90	वी.10112	गुरवीर सिंह	एम0ई0
39	वी.10039	योगेश कुमार मिना	सी0एस0ई0	91	वी.10113	हिमांशु खंडेलवाल	एम0ई0
40	वी.10040	अचल ठाकुर	सी0एस0ई0	92	वी.10114	हरुश्रीकेश एस0 सिंह अल्दा	एम0ई0
41	वी.10041	सवीना राजपूत	सी0एस0ई0	93	वी.10115	जयेश चंद्र गुप्ता	एम0ई0
42	वी.10042	अंकुर भट्ट	सी0एस0ई0	94	वी.10116	कनक गर्ग	एम0ई0
43	वी.10051	अभिजीत कुमार मीना	ई0ई0	95	वी.10117	क्षितिज बंसल	एम0ई0
44	वी.10052	आकाश त्रिवेदी	ई0ई0	96	वी.10118	कुमार शानु मीना	एम0ई0
45	वी.10053	आनंद धंदानिया	ई0ई0	97	वी.10119	कुनाल किशोर	एम0ई0
46	वी.10054	अंकुर दिक्षित	ई0ई0	98	वी.10120	कुनाल विजय ठक्कर	एम0ई0
47	वी.10055	अथर आमिर उल सैफी खान	ई0ई0	99	वी.10121	ललिन टी0 दिवान	एम0ई0
48	वी.10056	भारत	ई0ई0	100	वी.10122	एम0 अभिलाश	एम0ई0
49	वी.10057	धिरेंद्र कुमार सिंह	ई0ई0	101	वी.10123	प्रांजल जैन	एम0ई0
50	वी.10058	हिमांशु सिंह	ई0ई0	102	वी.10124	प्रिथिश सेठ	एम0ई0
51	वी.10059	जितेश मघवाल	ई0ई0	103	वी.10125	राहुल चन्देल	एम0ई0
52	वी.10060	कृष्णा करनानी	ई0ई0	104	वी.10126	रोहताज सिंह	एम0ई0
				105	वी.10127	सचिन रांगटा	एम0ई0
				106	वी.10128	साहिल कपीला	एम0ई0
				107	वी.10129	सलिल जैन	एम0ई0
				108	वी.10130	संतोष कुमार मीना	एम0ई0







भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी  
मण्डी-175001, हिमाचल प्रदेश, भारत  
Web: <http://www.iitmandi.ac.in>